वर्ष-10, अंक-181
इन्दौर, शनिवार
28 सितम्बर 2024
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

दैनिक

राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

इन्दौर प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

चाणक्य नीति

दूसरों की गलतियों से सीखों, अपने ही अनुभव से सीखने को तुम्हारी आयु कम पड़ जाएगी।

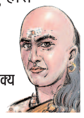

-चाणक्य

न्यूज़ ब्रीफ

अरुणाचल में चोटी को दलाई लामा का नाम देने पर बौखला गया चीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने एक बार फिर अरुणाचल प्रदेश पर अधिकार जमाने की कोशिश की है। भारतीय पर्वतारोहियों ने अरुणाचल प्रदेश के एक पर्वत का नाम छठे दलाई लामा के नाम पर रखा तो चीन आग बबूला हो उठा। चीन ने इस फैसले पर नाराजगी जाहिर की है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड एडवेंचर स्पोर्ट्स की एक टीम ने अरुणाचल प्रदेश में 20,942 फीट ऊंची एक अनाम चोटी पर चढ़ाई की थी और इसे छठे दलाई लामा त्सांगयांग ग्यात्सो के नाम पर रखने का फैसला लिया। NIMAS रक्षा मंत्रालय के अधीन काम करता है।

अमेरिका में आया श्रेणी-4 स्तर का खतरनाक तूफान

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में आया Hurricane Helene तूफान बेहद खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। इस तूफान के कारण कई दक्षिण पूर्व के कई अमेरिकी इलाकों में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है। हेलेन विनाशकारी श्रेणी 4 के तूफान में तब्दील हो गया है। इससे यह इस साल अमेरिका में आने वाले सबसे शक्तिशाली तूफानों में से एक बन गया है। सबसे बड़े तूफानों में से एक होगा Helene इस बीच राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय प्रशासन ने रिकॉर्ड-गर्म महासागर तापमान के कारण इस वर्ष अटलांटिक तूफान के औसत से ऊपर रहने की भविष्यवाणी की है। अनुमान है कि हेलेन इस क्षेत्र में वर्षों में आने वाले सबसे बड़े तूफानों में से एक होगा। तूफान हेलेन की अधिकांश शक्ति मेक्सिको की खाड़ी के पानी से आती है, जो कि पहुंच गया है।

भागलपुर में एक और बड़ा पुल ध्वस्त

भागलपुर (एजेंसी)। बिहार के भागलपुर जिले में पीरपैंती से बाखरपुर होते हुए बाबूपुर तक जाने वाली सड़क पर बड़ा हादसा हुआ है। बाखरपुर से बाबूपुर के बीच बना पुल पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है, जिससे दियारा से बाबूपुर-बाखरपुर का सड़क संपर्क पूरी तरह से भंग हो गया है। यह सड़क पीरपैंती बाजार से बाखरपुर, बाबूपुर होते हुए झारखंड को जोड़ती है, जो कि इस क्षेत्र के लोगों के लिए महत्वपूर्ण सड़क मार्ग है। इससे पहले भी चौखंडी के समीप पुल के जर्जर होने के कारण आवागमन पर रोक लगाई गई थी, जिससे लोगों को पहले से ही परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

लेबनान पर इज़रायली हवाई हमले में 23 सीरियाई शरणार्थियों की मौत

दमिश्क, (एजेंसी)। लेबनान के यूनीन क्षेत्र पर हवाई हमले में तेईस सीरियाई शरणार्थी मारे गए, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे है। सीरियाई विदेश मंत्रालय ने कहा कि गुरुवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हवाई हमला कुछ ही घंटे पहले शुरू किया गया था जब इजरायली बलों ने लेबनान और सीरिया के बीच मटरबाह सीमा पर हमला किया था, जिसमें हिंसा से भाग रहे कई शरणार्थी घायल हो गए थे। बयान में इज़रायल पर सुरक्षा की मांग कर रहे शरणार्थियों सहित निर्दोष नागरिकों को जानबूझकर निशाना बनाने का आरोप लगाया गया।

चुनावी प्रचार के बीच हरियाणा में कांग्रेस का बड़ा ऐक्शन

13 नेताओं को पार्टी से किया निष्कासित

हिसार (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच कांग्रेस ने अपने कुछ नेताओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। दरअसल, ग्रैंड ओल्ड पार्टी ने तेरह नेताओं को छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है।

इन नेताओं पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप लगे हैं। इनमें से कई पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनावी मैदान में हैं। यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है, जिसका उद्देश्य पार्टी के भीतर अनुशासनहीनता पर अंकुश लगाना है क्योंकि यह 5 अक्टूबर को चुनाव की तैयारी कर रही है। निष्कासित सदस्यों में गुहला एससी से नरेश ढांडे, जींद से प्रदीप गिल, पुंडरी से सज्जन सिंह ढुल और पानीपत ग्रामीण से विजय जैन जैसे उल्लेखनीय लोग शामिल हैं। यह आदेश कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रमुख उदय भान द्वारा जारी किया गया, जिसमें चुनाव से पहले एकता और अनुशासन बनाए रखने के पार्टी के संकल्प पर प्रकाश डाला गया। टिकट आवंटन को लेकर पार्टी नेताओं के बीच शुरुआती अशांति के बावजूद, कांग्रेस अधिकांश सदस्यों की चिंताओं को दूर करने में कामयाब रही। हालाँकि, स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने के फैसले पर काफी प्रतिक्रिया हुई, जिसके परिणामस्वरूप इन तेरह नेताओं को निष्कासित कर दिया गया। यह कदम उन चुनौतियों को रेखांकित करता है जिनका सामना पार्टी को उम्मीदवारों के चयन और पार्टी के प्रति वफादारी को लेकर करना पड़ता है। संबंधित संदर्भ में, कई प्रमुख नेताओं ने हाल ही में कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवारों का समर्थन करने के लिए अपना नामांकन वापस ले लिया है। वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री संपत सिंह नलवा सीट से हट गए और राम किशन फौजी बवानी खेड़ा क्षेत्र से चुनाव लड़ने से पीछे हट गए। इसके अतिरिक्त, पूर्व विधायक जसबीर मलौर ने पार्टी के उम्मीदवार, पूर्व मंत्री निर्मल सिंह के खिलाफ चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

गोधरा कांड के बाद मोदी ने दिया था इस्तीफाः खरगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी प्रमुख ने गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के दौरान 2002 के गोधरा दंगों को याद किया और कहा कि उन्होंने आधुनिक भारत की सबसे घातक घटनाओं में से एक के बावजूद भी इस्तीफा नहीं दिया था। कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा सीएम सिद्धारमैया को घातक झटका देने और उनके खिलाफ एमयूडीए घोटाले के आरोपों की जांच की अनुमति देने के कुछ दिनों बाद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को घोषणा की कि पार्टी सिद्धारमैया के साथ एकजुटता से खड़ी है कांग्रेस पार्टी प्रमुख ने गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के दौरान 2002 के गोधरा दंगों को याद किया और कहा कि उन्होंने आधुनिक भारत की सबसे घातक घटनाओं में से एक के बावजूद भी इस्तीफा नहीं दिया था।

हाजी अली दरगाह को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई, (एजेंसी)। मुंबई के हाजी अली दरगाह को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद मुंबई पुलिस जांच में जुटी है। बताया गया है कि दरगाह ट्रस्ट के ऑफिस में में ये धमकी भरा कॉल आया था जिसमें धमकी देते हुए फोन करने वाले ने कहा कि हाजी अली दरगाह में बम रखा गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक ये धमकी भरा कॉल बुधवार की शाम करीब पांच बजे आया था। ट्रस्ट वालों ने तुरंत इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस थाने को दी, जिसके बाद पुलिस और बम स्क्वायड टीम ने मौके पर पहुंचकर कर जांच-पड़ताल की। गुरुवार को मुंबई पुलिस की तरफ से जारी बयान में बताया गया कि हाजी अली दरगाह ट्रस्ट के ऑफिस में बीते बुधवार की शाम करीब 5 बजे एक कॉल आया, जिसमें मुंबई के वर्ली इलाके में स्थित हाजी अली दरगाह को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। कॉल करने वाले ने खुद को पवन बताया और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। साथ ही दरगाह के बारे में विवादित बयान दिया। हाजी अली दरगाह के प्रशासनिक अधिकारी ने इसकी शिकायत नजदीकी पुलिस स्टेशन में की। पुलिस स्टेशन अधिकारी और बम स्क्वायड टीम ने दरगाह पहुंचकर जांच की, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। फिलहाल ताड़देव पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कॉलोनी को पाकिस्तान कहने वाले

जज श्रीशानंद पर हो सकती है कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस वी श्रीशानंद की विवादास्पद टिप्पणी के बाद उनकी मुश्किलें बढ़ सकती है। हाल ही में सुनवाई के दौरान जज श्रीशानंद ने बेंगलुरु की एक कॉलोनी को पाकिस्तान कहा था। इस टिप्पणी के बाद सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने उनके ट्रांसफर पर विचार करने का संकेत दिया है। कॉलेजियम में शामिल प्रमुख न्यायाधीशों, जिसमें चीफ जस्टिस डी. वाई. चंद्रचूड़, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस ऋषिकेश रॉय ने इस मुद्दे पर गंभीरता से चर्चा की। कर्नाटक हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल ने 23 सितंबर को जस्टिस श्रीशानंद की टिप्पणियों को लेकर चिंता जताई थी, जिसके बाद कॉलेजियम ने ट्रांसफर करने पर विचार किया। जस्टिस श्रीशानंद के खिलाफ कॉलेजियम का सख्त रुख कई विवादित बयानों के कारण है। उन्होंने पहले भी कई बार विवादों को जन्म दिया है, जिसमें 6 जून को की गई।

विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी को झटका

सुनील जाखड़ ने दिया इस्तीफा

रवनीत सिंह बिट्टू को केंद्रीय राज्य मंत्री बनाए जाने से थे नाराज

चंडीगढ़, (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव का प्रचार जोरों पर है इसी बीच बीजेपी को जोरदार झटका लगा है। पंजाब में पंचायत चुनाव से पहले बीजेपी अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्हें एक साल पहले ही इस पद की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। पार्टी सूत्रों से पता चला है कि अभी उनका इस्तीफा मंजूर नहीं किया गया है। इस्तीफे को लेकर सुनील जाखड़ से संपर्क करना चाहा लेकिन उनका फोन नहीं उठा। वहीं इस खुलासे से पंजाब बीजेपी में हलचल मची गई है। पंजाब बीजेपी के जनरल सेक्रेटरी अनिल सरीन ने कहा कि सुनील जाखड़ ने इस्तीफा नहीं दिया है। यह अफवाह है। जानकारी के मुताबिक वह रवनीत सिंह बिट्टू को केंद्रीय राज्य मंत्री बनाए जाने से नाराज चल रहे थे। बिट्टू लोकसभा चुनाव हार गए थे। हालांकि, बाद में उन्हें राजस्थान से राज्यसभा भेजा गया। इसके अलावा वह पंजाब में बीजेपी नेताओं के कामकाज के तरीके से भी नाराज हैं।

राहुल गांधी एक बहादुर, ईमानदार राजनेता हैं: सैफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। सैफ अली खान के बारे में बात करते हुए, अभिनेता ने हाल ही में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को एक बहादुर और ईमानदार राजनेता कहा और उनकी छवि को बदलने के तरीके की सराहना की। इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में बोलते हुए, सैफ ने देश के बहादुर राजनेताओं में से राहुल को अपनी पसंद के रूप में चुना और अपनी सार्वजनिक छवि को सुधारने का श्रेय उन्हें दिया। कार्यक्रम में, जब उनसे पूछा गया कि उन्हें किस तरह का राजनेता पसंद है, तो सैफ ने जवाब दिया, मुझे एक बहादुर राजनेता, एक ईमानदार राजनेता पसंद है। इसके बाद मेजबान ने पीएम नरेंद्र मोदी, दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और राहुल गांधी का उदाहरण दिया और सैफ से उनमें से एक बहादुर राजनेता का नाम बताने के लिए कहा जो भारत को भविष्य में ले जा सके। सैफ ने थोड़ा सोचा और जवाब दिया, मुझे लगता है कि वे सभी बहादुर राजनेता हैं।

केंद्र की 4 स्टैंडिंग कमेटियों में कांग्रेस को बनाया अध्यक्ष

राहुल होंगे रक्षा मामलों की समिति के सदस्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की एनडीए सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल में 24 डिपार्टमेंटल पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटियों का गठन किया है। वर्ष 2024-25 के लिए गठित समितियों में 4 समितियां ऐसी हैं जिसमें कांग्रेस को सर्वेसर्वा जिम्मेदारी सौंपी गई है। रक्षा मामलों की समिति में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सदस्य के रुप में शामिल किया गया है। बता दें कि हर एक समिति में राज्यसभा और लोकसभा दोनों के सदस्य शामिल हैं।कांग्रेस ने केंद्र सरकार से 6 स्टैंडिंग कमेटी की अध्यक्षता की मांगी थी, लेकिन उसे चार प्रमुख पैनलों की अध्यक्षता दी गई है। इसमें विदेश, शिक्षा, कृषि, ग्रामीण मामलों की समिति शामिल हैं। राहुल गांधी को रक्षा मामलों की समिति का सदस्य बनाया गया है। सोनिया गांधी का नाम किसी भी समिति में नहीं है।

नासिक में सड़क हादसे में दो लोगों की मौत, चार घायल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक में बृहस्पतिवार सुबह दो कारों के बीच हुई भिड़ंत में दो लोगों की मौत हो गई और चार गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मनमाड जाने वाली सड़क पर नंदगांव में यह हादसा हुआ। नांदगांव पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया, शिवाजी देशमुख और उषा महाजन की इस हादसे में मौत हो गई और गंभीर रूप से घायल चार लोगों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि हादसे में मारे गए और घायल लोग मोहाडी तथा पचोर के हैं।

पहले पिलाया गौमूत्र, फिर छिड़का गंगाजल,

बीजेपी में आए पार्षदों का कुछ ऐसे हुआ शुद्धिकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। धर्मनिरपेक्ष भारत में राजनीतिक निष्ठा बदलने की ऐसी धार्मिक प्रक्रिया शायद पहले कभी नहीं देखी गई। दरअसल, भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य ने राजस्थान में भगवा पार्टी में शामिल होने वाले किसी भी व्यक्ति को हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार शुद्ध करने की कोशिश कर रहे है। यह अपने आप में अजीब कदम है। हवामहल विधायक ने गुरुवार को जयपुर हेरिटेज नगर निगम की नई महापौर कुसुम यादव को गंगा जल और हनुमान चालीसा और वैदिक मंत्रों का जाप करके शुद्ध किया। इतना ही नहीं, उन्होंने भाजपा का समर्थन करने वाले कांग्रेस पार्षदों पर भी गंगाजल छिड़क कर उन्हें शुद्ध किया। उन्हें पीने के लिए गौमूत्र भी दिया गया। इससे पहले मेयर कांग्रेस की मुनेश गुर्जर थीं। उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगने के बाद उन्हें हटा दिया गया था। अब 2019 में बीजेपी से 6 साल के लिए निष्कासित कुसुम यादव ने इस पद पर कब्जा कर लिया है। कुसुम यादव ने नवमी तिथि के अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना कर मेयर की कुर्सी संभाली।

एनआईए ने जम्मू-कश्मीर में 7 ठिकानों पर की छापेमारी

रियासी (एजेंसी)। बीते 9 जून को रियासी में एक बस पर हुए आतंकी हमले में 9 लोगों की मौत हुई थी। इस हमले की जांच एनआईए कर रही है। इसी मामले में शुक्रवार को एनआईए ने जम्मू कश्मीर के 2 जिलों राजौरी और रियासी में सात जगह छापा मारा है। जिन लोकेशन पर तलाशी जारी है, वे हाइब्रिड आतंकवादियों और ओवर-ग्राउंड वर्कर्स से जुड़े हैं। जांच कर रही है एनआईए गृह मंत्रालय ने 17 जून को आतंकी हमले की जांच का जिम्मा एनआईए को दे दिया था। एजेंसी ने हाइब्रिड आतंकवादियों से जुड़े सात ठिकानों की तलाशी ली थी। इसी दौरान गिरफ्तार आरोपी हाकम खान उर्फ हकीन दीन से मिले इनपुट के बाद शुक्रवार 27 सितंबर को इन नए ठिकानों पर छापा मारा गया है। जांच में यह सामने आया था कि हाकम ने आतंकियों को पनाह, गोला-बारूद और खाना दिया था।

वित्त वर्ष 2024-25 में

अर्थव्यवस्था 6.5% की दर से बढ़ेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंथा नागेश्वरन ने शुक्रवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था के स्थिर अवस्था के आधार पर 6.5-7 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य को देखते हुए विकास दर सराहनीय है। बंगाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (बीसीसीआई) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में वर्चुअली बोलते हुए नागेश्वरन ने कहा कि अर्थव्यवस्था वास्तविक रूप से 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, जबकि मुद्रास्फीति को ध्यान में रखते हुए नाममात्र विकास दर 11 प्रतिशत होगी। नागेश्वरन ने कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिर अवस्था के आधार पर 6.5-7 प्रतिशत की विकास दर के साथ चालू वित्त वर्ष में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। मौजूदा वैश्विक संदर्भ में यह एक बहुत अच्छी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यापार में मंदी के कारण दुनिया मध्यम अवधि की अनिश्चितताओं का सामना कर रही है, लेकिन भारत में कोविड के बाद की रिकवरी अब सरकार द्वारा अपनाई गई संतुलित राजकोषीय और मौद्रिक नीतियों के कारण मजबूत हो गई है।

तिरुपति लड्डू विवाद-

जगन को नोटिस देगी पुलिस!

कोलकाता (एजेंसी)। वाईएसआरसीपी प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी को तिरुमाला हिल्स स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में उनके दौरे से पहले निषेधाज्ञा का उल्लंघन न करने के लिए पुलिस द्वारा नोटिस जारी किए जाने की संभावना है। पार्टी के कई सदस्यों को जिला पुलिस ने पुलिस अधिनियम की धारा 30 का उल्लंघन न करने के लिए नोटिस जारी किया था। धारा 30 सार्वजनिक सभाओं और जुलूसों को नियंत्रित करती है और प्रसिद्ध तिरुपति लड्डू में कथित तौर पर गोमांस की चर्बी के इस्तेमाल को लेकर विवाद के बाद तिरुपति मंदिर के पास इसे लागू किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस जगन मोहन रेड्डी को रेनीगुंटा हवाई अड्डे पर उतरने के बाद भी नोटिस जारी कर सकती है, क्योंकि ऑनलाइन संदेश फैलाए जा रहे हैं।

संपादकीय

फैक्ट्रियों में रोबोट्स का बढ़ता उपयोग रोजगार के लिए बड़ी चुनौती

आज के दौर में तकनीक जिस गति से आगे बढ़ रही है, वह अद्वितीय है। तकनीकि प्रमुख योगदान रोबोटिक्स ऑटोमेशन और एआई तकनीकी का है। वैश्विक उद्योगों में रोबोट उत्पादकता बढ़ा रहे हैं। परंपरागत कार्यक्षेत्रों को भी बदल रहे हैं। हाल ही में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर की फैक्ट्रियों में रोबोट्स की संख्या 40 लाख के आंकड़े को पार कर चुकी है। पहली बार है, जब दुनिया भर के देशों में इतने बड़े पैमाने पर रोबोट्स का उपयोग किया जा रहा है। इस तरह के बदलाव से उद्योग जगत की तस्वीर मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में तेजी के साथ बदल रही है। उत्पादन की लागत कम हो रही है कंपनियों का मुनाफा बढ़ रहा है। महत्वपूर्ण बिंदु यह है, जहां फैक्ट्रियों में रोबोट्स की संख्या बढ़ रही है, वहीं श्रमिकों के लिए उत्पादन की तुलना में रोजगार के अवसर घटते जा रहे हैं। दुनिया के देशों में बेरोजगारी बढ़ रही है। भारत जैसे देश मे जहां परंपरागत उद्योगों, कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में श्रमिकों की हमेशा से बड़ी भूमिका रही है। वर्तमान बदलाव के प्रति भारत जैसे देश को विशेष रूप से सतर्क होना पड़ेगा। भारतीय कारखानों में रोबोटिक्स की बढ़ती जा रही है। एक वर्ष में 59त्न की वृद्धि हुई है। अगले 3 वर्षों में 139 फ़ीसदी की दर से रोबोट बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। इससे स्पष्ट है, भारत भी इस वैश्विक बदलाव का हिस्सा बन रहा है। तकनीक का यह विकास अनिवार्य रूप से भारत के श्रमिक संसाधन और आबादी के लिये बड़ी चुनौती खड़ी कर रहा है। तेजी से होते ऑटोमेशन से भारत में रोजगार के अवसरों में कमी आएगी। भारत में अभी भी बेरोजगारी एक बहुत बड़ी समस्या है। भारत की सबसे बड़ी आबादी युवाओं की है।

अब तो दरश दिखा जा

हे लौह पथ गामिनी, अब तो दरश दिखाओ। देखो मेरी स्थिति पर तरस खाओ। पिछ्ली बार तो मैं खुद था जो एक शांत प्रेमी की तरह घंटों तुम्हारा इंतज़ार करता रहा , बहुत इंतज़ार के बाद आखिर तुम आयी ..इठलाती हुई । तुमने एक नज़र मिलाकर भी मेरी तरफ देखना मुनासिब नहीं समझा। मैं भी तुम्हारे हज़ारों आशिकों की भीड़ में कुछ पुराने घायल प्रेमी की तरह लैला लैला चिल्लाए तुम्हारे पीछे दौड़ता रहा। वो तो शुक्र है एक मेरे ही जैसे दिलजले का जिसने हाथ पकड़ कर मुझे चढ़ा लिया।

लेकिन आज तो मैं मेरे अतिथि को छोड़ने आया हूँ, इस अतिथि ने पिछ्ले 10 दिन से मुझे पकड़ रखा है। आज बड़ी मुश्किल से इनका जाने का मन हुआ है। घर से चला था, तुम्हारे ऑफिशियल समय से आधा घंटा लेट चला था, अभी आधा घंटा और हो गया है लेकिन तुम्हारे दर्शन मुझे इस आकाश और धरती के मिलन स्थली तक भी नज़र नहीं आ रहे। स्टेशन की अनाउंसर भी खेद करते-करते थक चुकी है। जब वो खेद करती है तो हमें आत्मग्लानि होती है कि हमें रेलवे की समय सारिणी को समझना चाहिए। अगर वो कहें आधा घंटा तो उसमें एक घंटा जोड़ना तो स्वाभाविक ही है।हम हैं की बस मरे जा रहे हैं.. , ।बैंकों की ,राशन की ,बिजली के बिलों की लाइनों में तो इंतज़ार कर लेंगे, लेकिन यहाँ आते ही गरम तवे पर पानी के बुलबुले की तरह उछलते रहते हैं !

लेकिन आज मेरी तड़पन को समझो... । यह इसलिए है कि कहीं मेरे अतिथि देव का मूड कहीं बदल नहीं जाए और ये मेरा हाथ छोड़कर नहीं जाने का मन बना ले। अभी तक 4 पानी की बोतल, स्टेशन की कैंटीन की पानी वाली चाय पिला चुका हूँ, चार तले हुए भटूरे खिला चुका हूँ, दो अखबार इन्हे पढ़वा चुका हूँ, देश राजनीति धर्म सब पर चर्चाओं का आदान प्रदान हो गया है। उनके बाल्यकाल से लेकर अभी तक के सारे कांडों का वर्णन सुन चुका हूँ लेकिन तुम हो कि नजर ही नहीं आ रही। मेरी ही तरह तुम्हारे इंतज़ार में सोये जगे पड़े यात्रीगण मेरी तरफ घूर घूर कर देख रहे हैं।

में भी क्या करूँ निपट मूर्ख हूँ, छोटी छोटी चीजों को दिल पे लेने लगा हूँ। अपने बस में कुछ नहीं है , मुझे मालुम है ! लेकिन क्या करूँ, आज तो श्रीमती जी ने इन्हें घर से विदा करने को आखिर वार्निंग दे ही दी थी । इनका सामान बाँधने में कल पूरा दिन खर्च हो गया था। यहाँ की स्पेशल टिक्कड़ खिला कर इनका पेट खराब कर चुका हूँ। हमरी श्रीमती जी ने मौके का फायदा उठाकर इन्हें समझाने की कोशिश भी की थी की भाईसाहब लगता है आपको शहर का हवा पानी सूट नहीं कर रहा ! आपको जाना चाहिए। लेकिन ये है कि शहर की हवा पानी को पचाए जा रहे है ! रोज हवा और पानी पीकर हवा और पानी निर्धारित छिद्रों से निकाल रहे हैं, शायद इनका तरीका है किसी दूसरे शहर की हवा पानी से सामंजस्य बिठाने का। में निपट उल्लू का पठ्ठा क्यूँ नहीं समझता कि संसार में उपस्थित प्रत्येक जड़ चेतन का एक स्वभाव होता है, जैसे दूध का स्वभाव फटना, दही का स्वभाव जमना, नेता का स्वभाव भ्रष्टाचार, अफसर का स्वभाव रिश्वतखोरी, पति स्वभाव पत्नी के खाने में मीन मेख निकालना और पत्नि का स्वभाव शौपिंग । ऐसे ही रेल का

स्वभाव है लेट होना। मैं निपट मूर्ख इतना भी नहीं समझता कि तुम्हे रास्ते में कोई भी चैन खींचकर छेड़ देता है !

पहाड़, घाटियाँ, जंगल की नेचुरल ब्यूटी तुम्हे अपने सौंदर्य दर्शन कराकर रोक लेना चाहते हैं। तुम भी सौंदर्य दर्शन में इतने भावुक हो जाते हो कि पटरियाँ छोड़कर उनसे मिलने चले जाती हो। मेरे अतिथि को रेल बिभाग की तरफ से शुभकामनाएँ भी मिल गई हैं। 'ईश्वर आपकी यात्रा सफल करे।' अब ईश्वर का ही तो भरोसा है, रेल की थोड़े ही जिम्मेदारी है आपकी मंगल यात्रा की । आप सामान की स्वंय देखभाल करो, अब दुसरे के भरोसे छोड़ोगे तो सामान गायब होगा ही ! सीट कैसे लेनी है वो आप जानो , आप बैठ के लो, रुमाल रख के लो, टीटी की जेब भर के लो आपकी मर्जी । और फिर रेल ने मजबूत डंडे लगाए हैं गेट पर, उनसे लटक कर जाओ। रेल यात्रा में दार्शनिक भाव तो होना ही चाहिए ना, अगर आपकी मंजिल नहीं मिली तो परमात्मा मिलन तो हो ही जायेगा। आखिर सबको जाना भी वहीं है। अतिथि को हमने दो बैग और बाँध दिए हैं, अतिथि भी आते हैं तो खाली हाथ आते हैं, उन्हें खाली हाथ ही जाना होता है लेकिन हम हैं ना, खाली हाथ भेजना अपशकुन होता है इसलिए दो बैग साथ में भर के रख दिए हैं। सीट नहीं मिलने पर फर्श पर सोने के लिए दरी, सीट रोकने के लिए एक तौलिया, सिरहाने लगाने को एक तकिया, कुछ साडीयां भी भाभी जी के लिए रख दी है। इन्हें सीट न मिलने पर ये आराम से बैठ भी सकते हैं। वैसे तो नाश्ता घर से ढकोस कर आए हैं फिर भी स्टेशन पर चार तेल के बने भठूरे खिलवा दिए हैं , और दिन-रात के लिए लंच और डिनर रख दिया है। वैसे तो इनके शहर तक पहुँचने के लिए लंच ही काफी था लेकिन तुम हो ना, इन्हें सफर का भरपूर आनंद मिले इसलिए मुझे मालूम है इनका डिनर भी करवा दोगे । मैं इंतज़ार कर रहा हूँ कि अतिथि मुझे विदा कर दे, लेकिन लगता है वो मुझे साथ ही लेकर जाने के मूड में है। जैसे ही उनके कदम स्टेशन पर बाहर की तरफ बढ़ते हैं मेरा मन भारी हो जाता है। उन्हें कई बार आश्वासन दिला चुका हूँ कि रेल बस आती ही होगी। रेल की खेद की घोषणा और मेरे झूठे आश्वासनों से अभी उनके विश्वास की नाव डूलने नहीं लगी है। आगे देखते हैं क्या होता है..।

डॉ मुकेश असीमित

कहानी

माफी मांगने का रोग

उनको अचानक माफी मांगने का रोग लग गया । जब तक नौकरी में रहे न माफी मांगते थे न माफ करते थे। पत्नी जीवन भर बात-बात पर माफी मंगती रही पर इनने कभी माफ नहीं किया।

जब रिटायर हो गए और घरवाली को भगवान ने उठा लिया तब माफी का मतलब समझ आया। जीवन भर से सुबह जल्दी उठने की आदत थी, उठकर गिलास भर कुनकुना पानी और लोटा भर गरमा - गरम चाय के आदी हो चुके थे.... जब तक नौकरी रही और जब तक घरवाली जिंदा रही तब तक सब समय पर होता था....... जब से रिटायर होकर घर लौटे हैं तो अजीब अनपनापन और अपराधबोध के शिकार हो गए हैं बात-बात में माफी मांगने लगते हैं अब उनको ऐसा लगने लगा है कि माफी मांगने से अपने आप बहुत से काम आसानी से बन जाते हैं तो वे माफी मांगने को कहीं कहीं हथियार के रूप में इस्तेमाल करते हैं। अब उनको भली-भांति समझ में आ गया है कि माफी मांगने की कला वाकई गजब की है इसलिए लोग %सॉरी - सॉरी और सो सॉरी देख कर खुश होते हैं। उनके माफी मांगने की आदत से मोहल्ले वाले भी परेशान होने लगे थे पर सबसे ज्यादा परेशानी वे झेल रहे थे क्योंकि सुबह पांच बजे नींद खुल जाती और जीवन भर सुबह छै बजे तक एक दो गिलास गुनगुना पानी और लोटा भर गरमा गरम चाय जब पेट में जाकर प्रेशर मारती तो कमोड खुश हो जाता। रिटायर होने के बाद वे दिन अब नहीं रहे...... प्रेशर माफी मांगता, पेट भूखा प्यासा कुनमुनाता और कमोड आंख दिखाता....... बेटा बहू की देर से सोकर उठने की आदत थी और बहू रात को ही किचन में ताला डाल देती थी तब माफी मांगने की कला सुबह सुबह काम आती थी और झटका मारकर चाय कहीं न कहीं मिल ही जाती थी। वे सुबह छै बजे के बाद मोहल्ले के घरों की तरफ तांकने लगते कई बार सफल भी हो जाते। एक दिन बंसल साब के घर की घंटी बजा दी मिसेज बंसल गेट खोलने बाहर निकलीं तो हंसके बोले - भाभी जी मैं आपसे माफी मांगने आया था....... । मिसेज बंसल हैरान, परेशान कि ये कहां की माफी सुबह सुबह आ गई बोलीं- किस बात की माफी ? इनको तो गरमा गरम चाय पीना था तो कहने लगे - प्यास लगी थी यहां से निकला तो सोचा प्यास भी बुझा लूं और पुरानी माफी भी मांग लूं। जुगाड़

बन गया था पानी आया तो थोड़ा कुनकुना पानी की डिमांड हुई फिर चाय तो आनी ही थी हालांकि मिसेज बंसल ने टरकाने की बहुत कोशिश की पर माफी मांगने की बात मिसेज बंसल के दिल पर लग गई रहस्य खड़ा हो गया रोमांचित हो गई और सुबह से कोई रोमांचित कर दे तो सब कुछ लुटाने में मजा आ जाता है। सो उनने मज़े से चाय भी पी, अखबार भी मुफ्त में पी गए पर मिसेज बंसल के अंदर माफी मांगने की वजह जानने की इच्छा तीव्र हो गई कहने लगी - भाई साब आपने ऐसा क्या कर दिया जो इतने सुबह माफी मांगने आ गये ? आपको बताना ही पड़ेगा नहीं तो हम दिन भर सोच सोच के परेशान हो जाएंगे। अब वे अपने दिये झटके से ही फंस चुके थे झूठमूठ की बात बनाते हुए कहने लगे - दरअसल बात ये है कि बीस साल पहले आप मोहल्ले की सबसे ज्यादा खूबसूरत महिला मानी जाती थी बीस साल पहले आप दरवाजे पर सजधज कर खड़ीं थीं तो सड़क से निकलते हुए हमने आपकी खूबसूरती का रस ले लिया था तब से आज तक ये अपराधबोध कुलबुलाता रहा आज सुबह सुबह अचानक याद आया कि वो पुरानी बात पर हमको माफी मांग लेनी चाहिए इसलिए सुबह सुबह माफी मांगने पहुंच गए पर आपके हाथ की गरमा - गरम चाय पीकर दिल खुश हो गया। सुबह सुबह किसी महिला के सामने उसकी तारीफ करते हुए दिल की बात आ जाए तो माफी - आफी एक तरफ भाड़ में गई बन जाती, बातों-बातों में मजा आने लगता है ऐसई कुछ मिसेज बंसल को महसूस हुआ कहने लगीं - अरे छोड़िए ये माफी - आफी.... ये बताईये कि रिटायर लाईफ कैसी चल रही है ? बस क्या था मिसेज बंसल ने उनकी दुखती रग में हाथ रख दिया था, बांध फूट पड़ा था कहने लगे - जीवन भर न किसी से माफी मांगी और न किसी को माफ किया... ये बुढ़ापा क्या न करा दे, बहू - बेटा सुबह देर तक सोते रहते हैं पर हमारी सुबह जल्दी उठने की आदत रही, नौकरी में खूब नौकर - चाकर मिले घर वाली भी माफी मांग मांग कर खूब सेवा करती रही जब से भगवान उसको अपने साथ ले गए तब से हमें माफी मांगने का रोग लग गया,हांलाकि कि मरना सबको है मौत अवश्यंभावी है लेकिन मौत से आखिरी दम तक युद्ध किया जा सकता है, यह जीवन मधुर है बड़ी मुश्किल से मिलता है ईश्वर ने जब ये जीवन दिया है तो आनंद पूर्वक जीओ और जब मरने का मूड हो तो लगे हाथ हम मरने की कला भी मुफ्त में बता देते हैं क्योंकि आजकल यमराज बदल गया है कितनी भी माफी मांगो ध्यान देता ही नहीं है इसलिए अब लोगों ने मरने का तरीका बदल दिया है।रात में सोये और बिना बताए चल दिए. कहीं टूर में गए और वहीं दांत निपोर के टें हो गए. न गंगा जल पीने का आनन्द उठाया न गीता का श्लोक सुना....अरे ऐसा भी क्या मरना! पहले मरने का नाटक कर लो थोड़ी रिहर्सल हो जाए, नाते-रिस्तेदार सब जुड़ जाएँ, पहले से रोना-धोना सुन लिया जाय. कुछ अतिंम इच्छा पूरी हो जाए, भई मरना तो सभी को है तो तरीके से मरो न यार! घर वालों को मोहल्ले-पड़ोस से पर्याप्त सहानुभूति वगैरह मिल जाए, अब तुम तो जा ही रहे हो कुछ पडो़स वालों को भी डरा दो कि लफड़ा किया तो भूत बन के निपटा दूंगा. यदि दिल के कोई कोने में कोई बचपन की पुरानी प्रेमिका छुपी रह गई हो तो उसको भी कोई बहाने से बुला लिया जाए, बुलंद इमारत के खण्डहर में भी ताकत होती है. जश्न मना के मरने का तरीका होना चाहिए, मरने के पहले अड़ जाओ कि आज ही 500 लोगों को जलेबी-पोहा मेरे सामने खिलाओ। ऐसे अनेक अविस्मरणीय मजेदार किस्सों के साथ मरोगे तो मरने का अलग मजा आएगा, और माफी-आफी मांगने की जरूरत नहीं पड़ेगी....... सुनते-सुनते मिसेज बंसल अंगड़ाई लेने लगीं थीं, उन्होंने %उनकी% आंखों में झांक कर देखा तो खतरा नजर आया..... माफी-आफी मांगने से अब काम नहीं बनेगा इसलिए वे पेशाब करने के बहाने सड़क तरफ निकल गये। पौरुषग्रंथि की खराबी से लीकेज बढ़ गया था.... उनको लगा कि मिसेज बंसल का सोफा जरूर गीला हो गया होगा..........डरते हुए वे घर की तरफ लौट रहे थे फिर उन्होंने सोचा,गीले सोफे से उठती पेशाब की गंध को सूंघकर वो काहे को माफ करेगी.....

जय प्रकाश पाण्डेय
416, जय नगर जबलपुर

टका सा मुंह

बड़े साहब ने आर्थिक रूप से सम्पन्न होते ही बाप की बारहवीं बरसी पर स्थानीय भैरव मंदिर में गरीब गुरबों को दान भोज का आयोजन किया था .वे खुद भी सपत्नीक काला मास्क लगााकर काले मुंह के बन्दर से खड़े थे.अधीनस्थ कर्मचारियों से दो हाथ आगे बांटने के लिए राह चलते भिखमंगों को भरी हुई पत्तलें लुटाने का पुरजोर प्रयत्न कर रहे थे .लोग थे कि उनकी शक्ल देखते ही दस फुट दूर उचक जाते.कारण कोई विशेष नहीं था .साहब नगर निगम में थे और सभी जानते हैं कि नगर की आधी कमाई तो नगर निगम वाले ही लूटते हैं.

सेवाकाल में पैसा तो सभी खाते हैं ,के नियमानुसार जो बिना पैसे के काम करे वो लीचड़ विभाग में किस काम का? साहब ने भी श्मशान में मृतकों के दाह संस्कार के लिए बनाये चबूतरे पर टीन शेड लगवाई थी. बस उसी का मामला था..साहब ने क़ायदे से उसका भुगतान तब तक नहीं किया था जब तक कि उन्हें अपने हिस्से की कुल खर्च की बीस प्रतिशत रकम नहीं मिल गई .होने को उनका हिस्सा केवल चार प्रतिशत का था किंतु बाकी सोलह प्रतिशत बढ़ाने के लिए उन्होंने टीन शेड की टीन व ऐंगिलें हल्की लगाने की मौखिक मंजूरी दी थी. पता नहीं कैसे यह बात फाइलों से लीक होकर घर-घर में आ गई और जन जन के कानों में घुस गई .इसका दुष्परिणाम ये हुआ कि साहब रिटायरमेंट के बाद चुनाव लड़ने लायक न रहे.जबकि यहां उनके सजातीय मतदाताओं का बाहुल्य था.

अब यश की जगह अपयश शीघ्र फैलता है . प्रकाश व ध्वनि की किरणों की रफ्तार से .तब से साहब होने के बाद भी वे शहर में बेईमान,मुर्दाखोर,कफ़न चोर इत्यादि सम्बोधनों से मशहूर हो गए .यही अपयश आज उनके बाप की पुण्यतिथि धूमधाम से मनाने में आड़े आ रहा था .और अपनी 'बेटर हाफ' के सामने शर्मिन्दगी का कारण बना हुआ था.

लोग उनके हाथों की भरी पत्तलों का स्नेहिल अनुरोध ठुकरा कर टका सा जवाब देने लगे .ठुकराने वालों में वे भुक्कड़ भी थे जिनके पास खाने को टका भी पास में न था .साहब को इसी बात का दुख था कि दो टके के लोग आज उनके षट्रस द्रव्यों को ठुकरा रहे हैं .उनका सार्वजनिक अपमान कर रहे हैं .यदि आज उनके बाप की पुण्यतिथि न होती तो वे भी शहर के इन कीड़ों मकोड़ों को ट्के से न पूछते .पर मरता क्या न करता .उन्होंने ज़िल्लत झेलते हुए भी गिनकर दस बार कोशिश की.हर बार असफल हुए तो फिर अपने अधीनस्थों को कर्तव्य निर्वहन का दायित्व सौंपकर अपनी सगी पत्नी के साथ उस भीड़भाड़ वाले क्षेत्र से टका सा मुंह लेकर ए.सी. गाड़ी में बैठकर अपने बंगले पर लौट आए.आखिर वहां खड़े रहकर भी क्या करते?

डॉ.महेन्द्र अग्रवाल , नई ग़ज़ल सदर
बाजार शिवपुरी म.प्र. 473551
मो.9425766485

कहानी

जीवित्पुत्रिका व्रत

दरवाजे की घण्टी बजी! मम्मा गार्ड अंकल आये हैं। -- सुनते ही मैं तेज़ी से दरवाजे पर पहुंच गई। मैडम! सर का कॉल आया था,आपको मेरे से कुछ काम है। कुछ मंगवाना है! हाँ अजय! दरअसल कल से मेरा एक व्रत शुरू हो रहा। उसके लिए ही कुछ चीज़ें मंगवानी थी। इधर की 7,8 दुकानें देख ली पर मिला नहीं। मुझे दीजिये लिस्ट कोशिश करता हूँ अजय के कहते ही मैंने टेबल पर रखी लिस्ट उठाई और पकड़ा दी। देखो जिसमें टिक लगी है वो मैं ले आयी हूँ। बाकी चीजें नहीं मिली। मैडम इसमें तो ...मेरी भी समझ मे नही आ रहा क्या-क्या लिखा है आपने। कन्दा, मड्डुआ, खमरुआ, पोय साग,नोनी साग..कु..कुसी मटर! ये सब तो..सुना भी नहीं और ये लव-कुश का जोड़ा! ये क्या है? ओह! मेरा चेहरा मुरझा गया..आखिरी उम्मीद भी धूमिल पड़ गयी। पिछ्ले 3 दिनों में मैंने आस-पास की सभी दुकानें देख ली थी। यही जवाब मिला था सब जगह से। लगा था गाँव का होने के कारण अजय जरूर जानता होगा। पर..अब तो हसबैंड भी शहर से बाहर हैं कल पूजा है.. कैसे करूँगी! क्या हो गया मैडम? मुझे चुप देखकर अजय ने पूछा। लगता है इस बार मेरी पूजा आधी-अधूरी रहेगी। मैडम आप मुझे लिस्ट दे दीजिए, मैं कोशिश करता हूँ ढूंढने की। उसने मेरे हाथ से लिस्ट ली और चला गया। दरअसल कल से मेरे जीवित्पुत्रिका व्रत की शुरुआत थी। ये मुख्यतः बिहार का पर्व है पर विभिन्न प्रान्तों में भी इसे अलग अलग तरह से मनाया जाता है। पहला दिन होता है, नहाय खाय का। हर व्रत के एक दिन पहले, ये नहाय-खाय नियम करना होता है। जिसका मतलब होता है पूजा के पहले शरीर की शुद्धि! इस दिन नहाकर ही कुछ ग्रहण कर सकते हैं। नहाने के पहले न चाय-न पानी। नहाकर पूजा करने के बाद ही रसोई में जाना होता है। इस दिन कई तरह की सब्जियां बनती है। वैसी सब्जियां जिन्हें हम सालभर नहीं खाते उन्हें ही बनाने का नियम है.. एक और बात, जो सब्जियां या फलियां झुंड में होती है उसे ही शामिल किया जाता है..जैसे नोनी साग, बोदी, अलती, सतपुतिया, झिंगली, कन्दा आदि। ये पूजा केवल संतान के लिए नहीं की जाती। पितृपक्ष में होने के कारण ये तीन दिन हमारे पूर्वजों को भी समर्पित होते हैं। भोजन की थाल में से सबसे पहले पूर्वजों के लिए खाना निकाला जाता है। उसके बाद उसे छत पर किसी ऐसी जगह रखा जाता है जहाँ कौए उसे खा सके। कल से व्रत शुरू होने वाला था और मुझे आधे से अधिक सामान मिले भी नहीं थे। सोच-सोचकर रोना आने लगा। घर में मुझे सब पंडित जी कहते थे, कारण कि पूजा-पाठ में मेरी बड़ी रुचि थी। पर इस बार तो ...न जाने कैसे होगी पूजा। बिहार छोड़ने के बाद ये पहली जितिया पूजा थी मेरी। वहां तो कोई परेशानी नहीं होती थी सबकुछ मिल जाता था आसानी से। बार-बार बिहार याद आता रहा। शाम हो गयी, फिर रात! पर न अजय आया न उसका फोन आया। मैंने सब भगवान पर छोड़ा और सो गई। सुबह कॉलबेल बजा, छह बज रहे थे। दरवाजा खोला तो सामने अजय खड़ा था। लीजिये मैडम! बहुत हद तक ले आया आपका सामान। जो नही मिला उसके बदले अपनी समझ से ले लिया मिलता-जुलता। उदास मत होइएगा, ऐसे भी ईश्वर भाव और श्रद्धा के भूखे होते हैं। सब स्वीकार कर लेंगे। उसने सहजता से कहा और चला गया। मैंने देखा ,सच में जो चीज़ें नहीं मिली थी उससे मिलते-जुलते सामान वो लेकर आया था। मैंने श्रद्धा से अपना नियम पूरा किया। पूजा के लिए कुश से बने लव-कुश चाहिए थे, अजय की पत्नी ने खुद से ही दो सुंदर से छोटे गुड्डे बनाकर दे दिये थे। मैंने ईश्वर को धन्यवाद दिया और दूसरे दिन की पूजा की तैयारी में जुट गई। उजाला छिटकने से पहले सरगी करनी होती है। इस समय जो भी भोजन किया जाता है वो पहले चील-सियार (इनका जिक्र जीवित्पुत्रिका व्रत की किताब में है) और पूर्वजों के लिए निकालकर घर के बाहर रखना होता है। पूर्वजों से प्रार्थना की जाती है कि वे सन्तुष्ट हों और हमारे घर-परिवार पर अपना आशीर्वाद बनाये रखे। सरगी के साथ ही शुरू हो जाता है पूरे 24 घण्टे का निर्जला व्रत। शाम में लव-कुश की पूजा की जाती है। बांस की डलिया में फल, मेवे, ठेकुआ, गुजिया डालकर एक कपडे से बांधकर रखा जाता है। सुबह फिर से लव-कुश की पूजा के उपरांत अपने बच्चे से डलिया खोलवाते हैं। कुछ महिलाएँ जैसे कि मैं, सोने से बने जितिया जो कि नाव के आकार की होती है वो गले मे पहनती है। इसे भी हर बार नए धागे में गूंथना जरूरी होता है। अपने प्रान्त से दूर, जो पूजा मुझे इतनी कठिन लग रही थी उसे ईश्वर ने अच्छे से निभा दिया। हमेशा से हम स्त्रियां अपने तीज़ त्योहार ,परंपराओं, मूल्यों को लेकर बहुत भावुक होती है। बिहार हो या झारखंड या कोई और..अपने भारत में तो हम निभा ही लेते हैं सारे नियम। सुखद तो तब लगता है जब सात समंदर पार बस रहे भारतीयों के फेसबुक वॉल पर छठ, गणेश चतुर्थी, करवा चौथ की तस्वीरें दिखती है। अफसोस भी होता है,जब कुछ हिंदुस्तानी ही अपने देश के तीज़ त्योहारों का मज़ाक बनाते हैं। कुछ सो कॉल्ड फेमिनिस्ट अपनी कुंठा इन त्योहारों पर निकालती है और व्रत करने वाली स्त्रियां इन्हें पुरुषप्रधान समाज का शोषित वर्ग नज़र आती है...सताई.. भूखी-प्यासी, बेचारी.. पर नहीं! आप परेशान न हों,हम बहुत खुशी से करते हैं और जिस दिन स्वास्थ्य साथ नहीं देगा ,छोड़ देंगे। कोई प्रेशर नहीं होता हमारे ऊपर। इन्हें निभाना हमारी विवशता नहीं, परिवार के प्रति हमारा प्रेम है। ये तीज़ त्योहार, व्रत-पूजा ये सब हमारे धर्म की ,हमारे देश के विविध संस्कृति की खूबसूरती है और इन विविधताओं को जोड़कर ही तो बना है हमारा देश भारत।

मौसमी चंद्रा, पटना बिहार

यदि मैं इतिहास बदल सकती

हाँ वो मुझसे कह कर गये

कपिल वस्तु को दुल्हन की भाँति सजाया जा रहा था आयोजन था राजकुमार सिद्धार्थ के विवाह का , राजा सुप्पबुद्ध और रानी पमीता की पुत्री यशोधरा से सिद्धार्थ का विवाह हो रहा था सिद्धार्थ बचपन से सब बालकों से अलग थें उनके मन में सभी जीव - जंतुओं , मनुष्यों के प्रति अपार दया भाव था राजा शुद्धोदन सिद्धार्थ को लेकर बहुत चिंतित रहते थे की कैसे वो इस कोमल ह्रदय के साथ दुनिया का सामना करेगा हर तरफ छ्ल - कपट से भरे लोग हैं । राजा शुद्धोदन ने सोचा की सिद्धार्थ का विवाह हो जायेगा तो शायद उसके व्यवहार में कुछ बदलाव आयेगा ये सोच सोलह वर्ष की अवस्था में ही यशोधरा से सिद्धार्थ का विवाह ठीक कर दिया । सिद्धार्थ अपनी मौसी को ही माँ समझते थे सिद्धार्थ की माँ महारानी महामाया देवी तो सिद्धार्थ के जन्म के सातवें दिन ही चल बसी थी महारानी की सगी छोटी बहन महाप्रजापति गौतमी ने ही सिद्धार्थ का लालन - पालन किया । महामाया गौतमी सिद्धार्थ के सरल ह्रदय को देख बहुत प्रसन्न होती थीं उन्हें लगता था सिद्धार्थ जैसा बालक कभी किसी की पीड़ा का कारण नही बन सकता । विवाह विधि पूर्वक सम्पन्न हुआ सिद्धार्थ के जीवन का नया पड़ाव प्रारंभ हो चुका था उनके जीवन में संगीनी के रूप में यशोधरा प्रवेश ले चुकी थी । दोनो ज्यादा वक्त एक दूसरे के साथ व्यतीत करते कभी चौसर खेलते तो कभी दूर आखेट के लिए निकल जाते , इन सबके बीच में सिद्धार्थ का रह - रह कर कही खो जाना चुप बैठ कर आसमान को निहारना यशोधरा से छुपा नही था , उसका मन हुआ की वह सिद्धार्थ से इसका कारण ज्ञात करे लेकिन उसने खुद को रोक लिया उसे लगा इतना उतावलापन ठीक नही हम एक दूसरे को थोड़ा वक्त देते हैं , सच ! यशोधरा का धैर्य काम आया और एक शाम जब वो चौसर खेलने बैठे तो सिद्धार्थ ने यशोधरा से कहा यशोधरा मुझे तुमसे कुछ पूछ्ना है वैसे ये सब मैं तात और आचार्य से भी पूछ चुका हूँ परंतु किसी के पास इसका जवाब नही है मैं तुम्हे भी अपने प्रश्नो से अवगत कराना चाहता हूँ जिससे तुम मेरे मन की दुविधा समझ सको । यह सुन यशोधरा बोली मेरा सौभाग्य होगा आप अपने प्रश्न बताइये मान्यवर । सिद्धार्थ : लोग बीमार और बुढ़े क्यों होते हैं , मृत्यु क्यों आती है ? सब लोग अपने प्रियजन की मृत्यु पर रोते हैं परंतु साधु - सन्यासीयों पर इसका कोई प्रभाव नही पड़ता है वो निर्विकार भाव से रहते हैं दुख उनके पास नही आता है । मुझसे लोगों की लाचारी दुख और रूदन नही देखा जाता मैं इन सबके पीछे का कारण जानना चाहता हूँ । यशोधरा उनकी जिज्ञासा सुन कर हैरान थी इसलिये नही की सिद्धार्थ ने ऐसे प्रश्न क्यों पूछे इसलिये की उसके मन में ये विचार क्यों नही आये ? अब यशोधरा को भी सिद्धार्थ सबसे अलग लगने लगे , हर व्यक्ति सुख - संपन्नता , भोग - विलास , ईर्ष्या - द्वेष में रमा है और इन सबसे दूर सिद्धार्थ लोगों के दुख से दुखी है । यशोधरा के मन में सिद्धार्थ के लिए प्रेम तो था ही अब आदर भी जन्म लेने लगा । कुछ ही वक्त बाद यशोधरा ने एक स्वस्थ्य और प्यारे से पुत्र को जन्म दिया राजा शुद्धोदन ने इस खुशी के आने पर खूब दान किया और पोते का नाम राहुल रखा । सब मगन और प्रसन्न थे परन्तु सिद्धार्थ अपने प्रश्नों में और उलझते जा रहे थे और एक रात अचानक से गृह - त्याग का विचार आया और तुरंत पहरेदार छंदक को घोड़ा लाने का आदेश दिया सोचा एक बार पुत्र का चेहरा देख लूँ लेकिन अगर यशोधरा उठ गई तो ? फिर सरल ह्रदय में यशोधरा के प्रति जिम्मेदारियों की आवाज कानों में सुनाई देने लगी दुसरों के दुख से विचलित होने वाले सिद्धार्थ को भला अपनी यशोधरा की तकलीफ कैसे ना दिखाई देती । उन्होंने सोचा की अगर बिना मिले चले जाते तो ग्लानि से यशोधरा खुद से नजरें ना मिला पाती , पत्नी के रूप में उसने हर कदम पर साथ दिया और मैं अपने जीवन का इतना महत्वपूर्ण फैसला उसको बिना बताये कैसे ले लूँ ? सिद्धार्थ शांत मन से यशोधरा के कक्ष में गये यशोधरा को उठाया अचानक से आधी रात को अपने कक्ष में सिद्धार्थ को देख हड़बड़ा उठी , सिद्धार्थ ने अपने मन की बात बताते हुये जाने की आज्ञा माँगी यशोधरा इतने वक्त में सिद्धार्थ को समझ चुकी थी सिद्धार्थ को रोकना व्यर्थ था , उसने जाने की अनुमति के साथ एक वचन सिद्धार्थ से लिया की जब उनको अपने प्रश्नों के उत्तर मिल जायें तो वो वापस अवश्य आयेंगे । यशोधरा ने सिद्धार्थ को विश्वास भरा आश्वासन दिया की वो राहुल को पिता का भी प्यार देगी उसकी परवरिश में कोई कमी नही रखेगी । सिद्धार्थ जाने के लिए उठ खड़े हुये यशोधरा भी पुत्र को गोद में लिए साथ चल दी सिद्धार्थ ने प्रश्न सूचक दृष्टि से यशोधरा को देखा मुस्कुरा दी यशोधरा बोली इतना विश्वास किया है तो थोड़ा और सही आप को मैं खुशी - खुशी विदा करना चाहती हूँ । द्वार पर छंदक घोड़ा ले कर खड़ा था सिद्धार्थ घोड़े पर सवार हुये यशोधरा और पुत्र राहुल की तरफ देखा और तेजी से द्वार पार कर गये यशोधरा उनको जाते हुये देखती रही फिर पलट कर कक्ष की ओर चल दी , दृढ़ता से एक - एक कदम कक्ष की ओर बढ़ा रही थी और सोचती जा रही थी की कल प्रातः जब सब पूछेंगे तो वो गर्व से कहेगी की हाँ वो मुझसे कह कर गये ।

(ममता सिंह देवा , वाराणसी)

देपालपुर के तालाबों में सूखाः 942.9 मिमी बारिश के बावजूद जल संकट, ग्रामीणों की चिंता बढ़ी

देपालपुर। तहसील के अंतर्गत कई तालाब ऐसे हैं जो इस साल की भरपूर बारिश के बाद भी सूखे पड़े हुए हैं। क्षेत्र में 942.9 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है, लेकिन तालाबों में पानी की कमी ने ग्रामीणों की उम्मीदें तोड़ दी हैं। तालाबों में पानी की जगह सूखी घास और कटी हुई फसलें नजर आ रही हैं, जिससे पानी की किल्लत का खतरा मंडराने लगा है। तहसील मुख्यालय से मात्र 12 किलोमीटर दूर स्थित करजोदा गांव का तालाब इस जल संकट का प्रमुख उदाहरण है।

बारिश का मौसम समाप्ति की ओर है, लेकिन इस बड़े तालाब में पानी की एक बूंद भी नहीं दिख रही। तालाब के आसपास घास और अन्य सामग्री तो बिखरी हुई है, लेकिन पानी का कहीं कोई अता-पता नहीं। यह तालाब करजोदा और अटाहेड़ा गांव के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसके पानी से कई बोरवेल चलते हैं और ग्रामीणों की पानी की जरूरत पूरी होती है। परंतु इस बार गांव के लोगों को पानी के लिए अन्य स्त्रोतों पर निर्भर रहना पड़ सकता है, जो गर्मी के दिनों में और गंभीर समस्या बन सकता है। करजोदा गांव के निवासी सतीश चौधरी और भुला सिंह परमार ने बताया कि गांव के तालाब से इस बार पूरी तरह से उम्मीदें खत्म हो चुकी हैं। बारिश का समय खत्म हो चुका है, लेकिन तालाब में अभी तक पानी नहीं आया है। अगर ऐसा ही रहा, तो आने वाली गर्मियों में हमें पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ेगा।

सतीश चौधरी ने बताया। उनका कहना है कि तालाब में केवल सोयाबीन के फसल अवशेष बिखरे हुए हैं, पर पानी का कोई नामोनिशान नहीं है। जल संसाधन विभाग के अधिकारी ओम प्रकाश जाटव ने बताया कि देपालपुर में इस साल बारिश का आंकड़ा 36 इंच के पार पहुंच चुका है, जो औसत से बेहतर है।

इसके बावजूद, क्षेत्र के अधिकतर तालाबों में पानी की कमी बनी हुई है।

देपालपुर तहसील के अंतर्गत 6 से 7 तालाबों में अभी तक पानी नहीं आ पाया है। करजोदा का तालाब, जो 40 हेक्टेयर में फैला है, उसमें अभी एक बूंद भी पानी नहीं दिख रहा, ओम प्रकाश जाटव ने बताया। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकांश तालाब, जो बारिश के दिनों में भर जाते थे, इस बार सूखे रह गए हैं, जिससे आने वाले महीनों में ग्रामीणों को पानी की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

तालाबों में पानी की कमी से न केवल ग्रामीणों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ेगा, बल्कि सिंचाई के लिए भी कठिनाइयां बढ़ेंगी। इस क्षेत्र के लोग खेती और पशुपालन पर निर्भर हैं, और तालाबों के सूखने से फसलों और पशुओं के लिए पानी की उपलब्धता में भारी कमी हो सकती है। इससे ग्रामीणों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

करजोदा और अटाहेड़ा गांव के निवासी पहले ही चिंतित हैं कि आने वाले दिनों में उन्हें अपने दैनिक कार्यों के लिए अन्य स्त्रोतों से पानी खरीदना पड़ सकता है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति पर भी बुरा प्रभाव पड़ेगा। ग्रामवासियों और जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने सरकार से इस दिशा में त्वरित कदम उठाने की मांग की है। जल संचयन और भूजल स्तर को बढ़ाने के लिए योजनाओं को तुरंत लागू करने की जरूरत है, ताकि आने वाले समय में पानी की किल्लत से बचा जा सके।

यदि समय पर इन तालाबों को पुनर्जीवित करने के उपाय नहीं किए गए, तो देपालपुर और आसपास के गांवों को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। 942.9 मिमी बारिश के बावजूद देपालपुर तहसील के तालाब सूखे हैं, जिससे ग्रामीणों को चिंता सता रही है।

बारिश के बावजूद जल संचयन में आई कमी और तालाबों की सूखी स्थिति गर्मी के मौसम में जल संकट को और गंभीर बना सकती है। ग्रामीणों ने सरकार से तुरंत कदम उठाने और पानी की समस्या का समाधान करने की अपील की है, ताकि भविष्य में उन्हें पानी के लिए संघर्ष न करना पड़े।

श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स एंड कॉमर्स द्वारा नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ़ इंडिया अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन

इंदौर। श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स एंड कॉमर्स द्वारा नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ़ इंडिया अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री वैष्णव टीचर्स ट्रेनिंग महाविद्यालय की वरिष्ठ लाइब्रेरियन श्रीमती संगीता निंबालकर उपस्थित थीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ लाइब्रेरी साइंस के जनक श्री रंगनाथन जी की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर माल्यार्पण और धार्मिक ग्रंथों की पूजा अर्चना के साथ किया गया। मुख्य अतिथि श्रीमती संगीता निंबालकर ने आधुनिक समय में डिजिटल लाइब्रेरी के महत्व पर विद्यार्थियों को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. परितोष अवस्थी ने की। एन डी एल आई क्लब की विस्तृत जानकारी डॉ. साक्षी मोटवानी द्वारा प्रदान की गई।

अतिथि स्वागत एवं भाषण प्रो. विभोर एरेन ने द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. श्रद्धा मानधन्या ने किया। कार्यक्रम के अंत में आभार व्यक्त लाइब्रेरी कमेटी के संयोजक डॉ. मनीष दुबे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में तकनीकी सहयोग प्रो. राजेश सेठी ने दिया। इस अवसर पर डॉ. अलका कछवाह, प्रो. राजेश सेठी सहित अन्य प्राध्यापक एवं 100 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित थे।

सिका स्कूल सांघी कालोनी एवं बाल वाटिका में ग्रैंडपेरेंट्स डे का आयोजन

इंदौर। सिका स्कूल सांघी कालोनी एवं 54 बालवाटिका में ग्रैंडपेरेंट्स डे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने दादा-दादी और नाना-नानी के प्रति अपने प्रेम को दर्शाया। प्रिंसिपल सुजा मैथ्यू एवं वाइस प्रिंसिपल प्राची गर्ग मैडम ने बच्चों से दादा दादी एवं नाना नानी का घर में रहने का महत्व बताया । प्रधानाध्यापिका श्रीमती लीना सेबेस्टियन ने कहा दादा-दादी और नाना-नानी परिवार की महत्वपूर्ण धरोहर होते हैं वह हमें संस्कार और मूल्य सिखाते हैं, उप प्रधानाध्यापिका श्रीमती भावना पाटनकर ने बच्चों से कहा आप अपने दादा दादी, नाना नानी का सम्मान करे, उनके साथ खाना खायें एवं साथ खेले।

डॉ राजेश अग्रवाल को सम्मानित किया

इंदौर के डायबिटीज़ मोटापा और थायराइड हॉर्मोन विशेषज्ञ डॉ राजेश अग्रवाल को रिसर्च सोसायटी फॉर द स्टडी ऑफ़ डायबीटीज़ इन इंडिया की जबलपुर में हुई कांफ्रेंस में विशेष योगदान हेतु सम्मानित किया गया। इस सम्मेलन में क़रीबन 1000 चिकित्सकों ने भाग लिया था। डॉ राजेश अग्रवाल का ÷रैपिड डायग्नोसी ऑफ़ डायबिटीज़÷ पर इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल मेटाबोलिज्म एंड डायबिटीज़ पर शोध पत्र प्रकाशित हुआ है। डॉ राजेश अग्रवाल ने 101 दफ़ा रक्तदान भी किया।

कार्टून कोना..........

सिका बालवाटिका, निपानिया में दादा-दादी दिवस का भव्य उत्सव आयोजित

इंदौर। सिका बालवाटिका, निपानिया में दादा-दादी दिवस का एक भव्य उत्सव आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों और उनके दादा-दादी के बीच संबंधों को गहरा बनाना था। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रोनिका वलेचा, उप प्रधानाचार्य श्री दिनेश उपाध्याय प्राचार्या एवम उप प्राचार्या प्रायमरी ने दीप प्रज्वलन से की द्यजिसके बाद सभी बच्चे रंग-बिरंगे कपड़ों में स्कूल आए और अपने दादा-दादी के सम्मान में प्रदर्शन किया। नर्सरी के बच्चों ने सुंदर नृत्य प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। केजी 1 के बच्चों ने एक सुंदर गीत गाकर अपने दादा-दादी के प्रति अपना प्यार व्यक्त किया। वहीं, केजी 2 के बच्चों ने मनोरंजक नाटक प्रस्तुत किया, जिसमें दादा-दादी की भूमिका और उनके महत्व को दर्शाया गया. इसके अलावा केजी 2 के बच्चों ने विशेष कव्वाली भी प्रस्तुत की, जिसे सभी ने खूब सराहा। एएचएम मैडम श्री मति सोनल खन्ना ने दादा-दादी दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला ।

विराट , ऐतिहासिक विहार सेवक सम्मेलन हुआ

हातोद (साधना जैन)। आल इंडिया विहार सेवा ग्रुप के द्वारा विले पार्ले मुंबई में आयोजित विराट वार्षिक सम्मेलन हुआ। यह सम्मेलन आचार्य अक्षयबोधिसूरीश्वर महाराजा, आचार्य महाबोधि सूरीश्वर महाराजा की निश्रा में हुआ। इस विहार सम्मेलन में पुरे भारत से करीब 4000 सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर आचार्य अक्षयबोधि सूरीश्वर महाराजा ने अपने उदभोधन में कहा की हमारी तीन माँ होती है। पहली माँ जन्म देने वाली माँ, दूसरी माँ संस्कार देने वाली माँ, तीसरी माँ परमात्मा। विहार सेवको के साथ में रहने से निर्भीकता और निश्चितता रहती है। परमात्मा प्राप्ति के लिए विहार सेनानी धार्मिक प्रक्रिया वाले व तपस्या वाले से काम नहीं है।

महाबोधि सूरीश्वर महाराजा ने अपने उदभोधन में कहा की महाराज साहेब के साथ विहार सेवक विहार करते है। और अपने कर्मो को खपाते है। विहार सेवक की पांच विशेषता होती है। कोई भी सैनिक अकेला युद्ध में विजय प्राप्त नहीं कर सकता है। उसके कुछ नियम होते है। इससे पूर्व कार्यक्रम दिप प्रज्ज्वलन के साथ प्रारम्भ हुआ।

आल इंडिया विहार ग्रुप के कन्वियर डॉ.संजय बी. शाह ने अपने उदभोधन की वह शुभ पल जब दुखद प्रसंग जब हुआ उसके अनुमोदनार्थ पूज्य श्री महाराजा के मन में ख्याल आया और बारह वर्ष पहले भिवंडी में विहार सेवा ग्रुप की स्थापना हुई।

गौरतलब है की विहार सम्मेलन आचार्य अक्षयबोधि सूरीश्वर महाराजा साहेब , आचार्य महाबोधि सूरीश्वर महाराजा साहेब की निश्रा में आयोजित होता है। इस वर्ष यह आयोजन मुंबई विले पार्ले में हुआ। इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश से प्रथम बार बदनावर, बड़नगर, सैलाना, बड़ोद, बड़ावदा, गौतमपुरा, हातोद, इंदौर, देवास, धार आदि सहित प्रदेश से 150 विहार सेवको ने भाग लिया।

इसमें बदनावर विहार सेवा को सर्वश्रेष्ठ ट्राफी भी मिली है। इस कार्यक्रम के दौरान विहार सेवको की पत्रिका मॉर्निंग न्यूज़ जो साल में एक बार ही निकलती है, उसका विमोचन हुआ। उत्कृष्ट विहार सेवको ,एव विहार ग्रुपो को सम्मनित किया गया।

उत्सव में दिखा छत्रपति शिवाजी का युद्ध कौशल

इंदौर। एडवांस्ड एकेडमी, इंदौर में विरासत वॉयेज 2024 के माध्यम से छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत का अविस्मरणीय उत्सव देखने को मिला। इस कार्यक्रम में नर्सरी से लेकर कक्षा 2 तक के छोटे-छोटे बच्चों ने भारत के महान नायक, शिवाजी महाराज के पराक्रम, नेतृत्व और दूरदर्शिता को दर्शाया।

शुरुआत में चीफ़ गेस्ट डॉ. प्रियंका मोक्षमर, जो वायु एयरकॉन कंपनी की चेयरमैन हैं, की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन के साथ हुई। वायु एयरकॉन पर्यावरण अनुकूल कूलिंग समाधानों में विशेषज्ञता रखती है।

छात्रों ने छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन की झलक मंच पर प्रस्तुत की, जिसमें उनके बचपन का चित्रण शिवनेरी किले में किया गया, जहाँ उनकी माँ, जीजाबाई, ने उनके अंदर न्याय और साहस जैसे गुणों का विकास किया। शिवाजी की माँ भवानी के प्रति गहरी भक्ति और उनके दिव्य मार्गदर्शन में दृढ़ विश्वास को भी सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया गया। छात्रों ने उनकी मातृभूमि की रक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को बखूबी दर्शाया।

शिवाजी महाराज की सैन्य प्रतिभा पर आधारित प्रस्तुतियों में प्रमुख लड़ाइयों का जीवंत पुनर्निर्माण किया गया, जिसमें प्रतापगढ़ किले पर अफज़ल खान के साथ हुई प्रसिद्ध मुठभेड़ भी शामिल थी। छात्रों ने शिवाजी के गुरिल्ला युद्ध कौशल और नेतृत्व को जोश के साथ प्रदर्शित किया, जिससे मराठा साम्राज्य की रक्षा में उनकी रणनीतिक कुशलता उजागर हुई।

कार्यक्रम में शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक के पुनः अभिनय को भी दर्शाया गया, जिसमें छोटे-छोटे छात्रों ने गर्व के साथ उस ऐतिहासिक क्षण को फिर से जीवंत किया जिसने मराठा साम्राज्य के उत्थान को चिह्नित किया।

एडवांस्ड एकेडमी की डायरेक्टर श्रीमती टिम्सी राय ने शिवाजी महाराज के जीवन से प्रेरणा लेते हुए आज की पीढ़ी में नेतृत्व, साहस और ईमानदारी जैसे गुणों को पोषित करने के महत्व पर जोर दिया। चेयरपर्सन अनिल राय, डायरेक्टर श्रीमती टिम्सी राय और प्रिंसिपल श्रीमती उषा तोमर ने शिक्षकों के इस अद्भुत आयोजन के लिए उनकी सराहना की, जो विरासत और वीरता के उत्सव को सुदृढ़ करता है।

विश्व गर्भनिरोधक दिवस पर वेबिनार

इंदौर। रावल फर्टिलिटी और रावल नेचुरल बर्थिंग ने संयुक्त रूप से विश्व गर्भनिरोधक दिवस के अवसर पर एक सफल वेबिनार का आयोजन किया। गर्भनिरोधक के विभिन्न तरीके नामक इस वेबिनार में प्रख्यात प्रजनन विशेषज्ञ डॉ. निकिता रावल ने संबोधित किया।

इस कार्यक्रम में कई युवा, पुरुष और महिलाओं के साथ-साथ छात्र भी शामिल थे। डॉ. रावल ने गर्भनिरोधक के विभिन्न उपलब्ध तरीकों, उनकी प्रभावशीलता और परिवार नियोजन के संबंध में सूचित निर्णय लेने के महत्व के बारे में मूल्यवान जानकारी प्रदान की। प्रतिभागियों को वक्ता के साथ प्रश्न पूछने और चर्चा करने का अवसर मिला, जिससे विषय की गहरी समझ विकसित हुई। इस वेबिनार ने गर्भनिरोधक के बारे में जागरूकता और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया, जिससे व्यक्तियों को अपने प्रजनन स्वास्थ्य के बारे में सूचित विकल्प बनाने में सक्षम बनाया। डॉ. निकिता रावल ने गर्भनिरोधक के बारे में खुलकर बातचीत और शिक्षा के महत्व पर जोर दिया, उन्होंने कहा, ज्ञान ही शक्ति है। उपलब्ध विभिन्न गर्भनिरोधक विकल्पों को समझकर, व्यक्ति अपने प्रजनन स्वास्थ्य और कल्याण के बारे में सूचित निर्णय ले सकते हैं।

प्रदूषण और बदलते पर्यावरण से विलुप्त हो रही कौओं की प्रजाति- श्राद्ध पक्ष में कौओं का अभाव

देपालपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों श्राद्ध पक्ष चल रहे हैं, जहां पितरों की पूजा के लिए रोजाना घरों में पकवान बनाए जा रहे हैं। महिलाएं कौवों को खाना खिलाने के लिए उत्सुक नजर आती हैं, क्योंकि शास्त्रों के अनुसार पितृपक्ष में कौवों को भोजन कराना पुण्य माना जाता है।

हालांकि, बदलते पर्यावरण और बढ़ते प्रदूषण का प्रभाव अब न केवल मनुष्यों पर बल्कि जीव-जंतुओं पर भी स्पष्ट रूप से दिखने लगा है।

इस समय लोग श्राद्ध पक्ष में कौवों की अनुपस्थिति से परेशान हैं। पंडितों का कहना है कि पितृपक्ष के दौरान पितृ कौवों के रूप में आते हैं, लेकिन अब कौओं की प्रजाति विलुप्त होती जा रही है, जिसके कारण लोग पंडितों के पास जाकर इसके विकल्प और समाधान पूछ रहे हैं।

पंडित राजेश रावत के अनुसार, कुछ साल पहले गांव और शहरों में कौओं के झुंड दिखाई देते थे, लेकिन अब ये तेजी से विलुप्त हो रहे हैं। बुजुर्गों का मानना है कि प्रदूषण के कारण कौओं की संख्या घट रही है। वातावरण में बढ़ता प्रदूषण अन्य पक्षियों जैसे सारस, गिद्ध और चील की तरह कौओं की प्रजातियों को भी प्रभावित कर रहा है।

पितृपक्ष के दौरान श्राद्ध की परंपरा में घर की रसोई में बने भोजन की पहली थाली कौए के लिए निकाली जाती है। इस थाली को घर की छत या आंगन में रखकर कौए के भोजन करने का इंतजार किया जाता है, जिससे यह माना जाता है कि भोजन पितरों को प्राप्त हो गया है। लेकिन अब, घंटों इंतजार करने के बाद भी कौए नहीं दिखाई देते, जिससे लोग इस परंपरा को निभाने में असमर्थ हो रहे हैं।

यह स्थिति दर्शाती है कि कैसे प्रदूषण और पर्यावरणीय बदलाव जीव-जंतुओं की प्रजातियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहे हैं।

तिलक नगर पुलिस, सूरत से लेकर आई, माता-पिता की मुस्कान

इंदौर (मनीष शर्मा)। सूरत शहर की बातें सुनकर, नाबालिग भाई बहन सूरत घूमने चल पड़े ,जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट थाने में की गई इस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने 24 घंटे के भीतर सीसीटीवी फूटेज, साइबर एवं आरपीएफ़ की सहायता से बच्चो को दस्तयाब किया।

विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 24 सितंबर को सूचनाकर्ता महेश बड़ि्तया पिता लक्ष्मण निवासी 18 शालीमार पार्क पिपलियाहाना स्थाई पता ब्रह्माकुंडी जिला धार ने रिपोर्ट किया की वह शालीमार पार्क में चौकीदारी का काम करता है एवं मजदूरी भी करता है, उसके 12 साल का एक बेटा हितेंद्र एवं 8 साल की बालिका घर से बिना बताए कहीं चले गए है। सभी जगह तलाश करने के बाद नहीं मिलने पर रिपोर्ट हेतु आए।

इस पर थाना तिलक नगर इंदौर पर अपराध क्रमांक 298 /24 धारा 137 बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया।पुलिस आयुक्त राकेश गुप्ता एवं अति. पुलिस आयुक्त अमित सिंह द्वारा नाबालिग बालक एवं बालिका की दस्तयाबी हेतु त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। डीसीपी अभिनय विश्वकर्मा द्वारा बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु टीम गठित करते हुए अति शीघ्र दस्तयाबी के निर्देश दिए जिस पर थाना तिलक नगर की टीम द्वारा अपहरत बालक एवं बालिकाओं की पतारासी हेतु सीसीटीवी फुटेज देखना प्रारंभ किया जिसमें शालीमार पार्क के कैमरे चेक करने पर सुबह 11ः10 पर दोनों बालक बालिकाएं गेट से बाहर जाते हुए दिखाई दिए फिर इनका रूट ट्रैक करते हुए इंदौर रेलवे स्टेशन तक देखा जिसमें ज्ञात हुआ कि अवंतिका एक्सप्रेस में दोनों बच्चे बैठे हैं।

इसी दौरान पूछताछ में ज्ञात हुआ कि परिजनों का जमाई सूरत में रहता है दोनों बच्चो की सूरत जाने की संभावना होने से तत्काल टीम को सूरत रवाना किया एवं सूरत रेलवे स्टेशन पर फुटेज एवं आरपीएफ़ की सहायता से दोनों बालक बालिकाओं को सकुशल दस्तयाब कर थाना तिलक नगर लेकर आए एवं परिजनों के जिम्मे किया बच्चो ने पूछताछ मे बताया की उनके जीजाजी सूरत मे रहते है और सूरत शहर की बाते करता था जिससे बालक हितेन्द्र की सूरत शहर घूमने की इच्छा हुई और अपनी 8 साल की बहन को लेकर बिना पेसो के निकल गया। बच्चो को दस्तयाब करने में थाना प्रभारी निरी मनीष लोधा, उप निरी पी?सी? डाबर, प्रधान आरक्षक मुजफ्फर , प्रधान आरक्षक रोशन यादव, प्रधान आरक्षक भोला यादव, प्र आर विश्वानाथ, आर प्रवीण चौहान साइबर सेल,की सरहानीय भूमिका रही।

श्री श्वेताम्बर जैन क्रेडिट को-ऑपरेटिव्ह सोसा. लि. की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न, 10% लाभांश कि घोषणा

इंदौर। श्री श्वेताम्बर जैन क्रेडिट को-ऑपरेटिव्ह सोसायटी लि., इन्दौर की 28 वीं वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न हुई। मंगलाचरण एंव दीपप्रज्वलन के साथ वार्षिक साधारण सभा का विधिवत शुभारंभ माननीय श्री राजकुमार देवकर, निजी सचिव, संयुक्त आयुक्त, सहकारिता, इन्दौर मुख्य आतिथ्य में किया गया ।

संस्था अध्यक्ष श्री विजय मेहता, उपाध्यक्ष मनीष सुराणा, हंसराज जैन, श्री शिखरचन्द बाफना, श्रीमती संगीता भण्डारी, अनोखीलाल सुराणा, जगदीश वर्मा एवं श्री राजेश आजाद द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। तत्पश्चात् संचालक शिखचंदजी बाफना ने सभा का विधिवत संचालन प्रारंभ किया। गत आम सभा का के मिनिट्स का वाचन संचालक श्री राजेश आजाद ने किया। अध्यक्ष श्री विजय मेहता द्वारा स्थिति विवरण, आय-व्यय पत्रक, आगामी वर्ष का बजट आदि प्रस्तुत किये गये तथा वर्ष 2023-2024 के लिए 10 प्रतिशत लाभांश घोषित किया गया। जिसे उपस्थित सदस्यों द्वारा करतल ध्वनि से पारित किया गया। देवकर ने अपने उद्बोधन में संस्था की प्रगति पर हर्ष व्यक्त किया। संचालक श्रीमती संगीता भंडारी ने आभार माना।

हरियाणा में बोले आफ़ताब खान अपना वोट बंटने मत देना

इंदौर। हरियाणा चुनाव 2024 में प्रभार की विधानसभा गुड़गाव लोकसभा की सोहना ताऊडू के कांग्रेस के चुनाव प्रभारी इंदौर के आफ़ताब खान कांग्रेस समर्थन में प्रचार कर रहे हैं। आफ़ताब खान ने सोहना ताऊडू में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा कांग्रेस के वोट बांटकर चुनाव जीतने के हथकंडे अपनाती है।

उन्होंने मतदाताओं से कहा कि वह अपने वोट बंटने नहीं दें और एकजुट होकर कांग्रेस के पक्ष में मतदान करें। कांग्रेस के लोकप्रिय प्रत्याशी रोहतांश खटाना के साथ ताऊडू सेक्टर के विभिन्न गांवों में कांग्रेस का अच्छा माहौल है। चुनावी सभा मे गुड़गाव जिले के सोहना ताऊडू विधानसभा के वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ शमसुद्दीन शम्स, पूर्व विधायक शाहिदा खान, कांग्रेस नेता चौधरी फारूक खान व क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद थे।

मराठी बोली भाषा वराड़ी के युवा कवि उमेश थोरात को राज्यस्तरीय पुरस्कार

इंदौर के मराठी भाषा की बोली वराडी के सशक्त रचनाकार- कवि उमेश थोरात का हाल ही अखिल भारतीय वराड़ी का साहित्य और बोली भाषा संवर्धन समिति, बार्शी (महाराष्ट्र) के फ़यलाईफ़ पुष्पराज दादा गावंडे राज्यस्तरीय पुरस्कार के लिये चुने गये चार सरस्वती उपासकों में हाल ही चयन हुआ है।

अन्य रचनाकार है मीना ताई गावंडे (दर्यापुर), डॉ. मीनाताई सोसे (लोणार सरोवर) और विष्णुभाऊ इंगळे (असलगाव)। यह प्रतिष्ठा पुरस्कार उन्हें अखिल भारतीय वराड़ी सहित्य मंच, अकोला के आगामी अक्टूबर माह में होनेवाले 5 वें राज्यस्तरीय वराड़ी साहित्य संमेलन दिया जावेगा। इस कवि का काव्य प्रस्तुति का एक खास अंदाज है। जो साहित्य प्रेमियों को- सुनकारों को अच्छा लगता है। मराठी भाषा के साथ अपनी बोली भाषा को जीवित रखने- उसके संवर्धन के लिये यह उर्जावान - जोशीला रचनाकार अपनी तई काफी सक्रिय है।

सरपंच ने दिया संदेश पेड़ लगाओ पर्यावरण बचाओ

इंदौर। विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस हर साल 26 सितंबर को मनाया जाता है, जो कि विश्व स्तर पर सभी प्रकार के स्वास्थय के लिए जागरूक करने के मुख्य मुद्दों पर आधारित थीम पर मनाया जाता है।

टोंकखुर्द की ग्राम पंचायत खेडा माधोपुर के सरपंच मुजाहिद खान ने विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस की शुभकामनाएं देते हुए आमजन को पर्यावरण के प्रति जागरूता का संदेश दिया। उन्होंने अपने संदेश में कहा हाथ से हाथ मिलाओ, पेड़ लगाओ , पर्यावरण बचाओ। वाक़ई सरपंच मुजाहिद खान ने प्रेरक संदेश दिया, जो पर्यावरण की बेहतरी के लिए बेहद ज़रूरी है।

कलोता समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश पटेल पहुंचे गोली लगने से मृतक बलिराम राठौर के घर

इंदौर। मध्य प्रदेश क्षत्रिय कलोता समाज के प्रदेश अध्यक्ष हंसराज मंडलोई ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति जारी करके बताया कि बीएसएफ की रेवती रेंज के पास एक बिल्डिंग में जहां पर निर्माण कार्य चल रहा था वहां पर ड्यूटी पर कार्यरत निर्माण कंपनी के सुपरवाइजर जो की कलोता समाज से ताल्लुक रखते हैं बलिराम राठौर को अचानक गोली लगती है एवं उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो जाती है।

हंसराज मंडलोई ने आगे बताया कि समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ वरिष्ठ नेता व समाज बंधु भी पहुंचे एवं मृतक बलिराम राठौर के परिवार से मुलाकात करके उनकी सभी प्रकार से मदद करने का भरोसा समाज बंधुओ ने दिलाया समाज के अध्यक्ष सुरेश पटेल ने कहा कि कल समाज का प्रतिनिधिमंडल मंत्री तुलसी सिलावट के साथ कलेक्टर एवं पुलिस कमिश्नर इंदौर से भी मुलाकात करके निष्पक्ष जांच की मांग करेगा एवं समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सरकार से मांग की है कि मृतक बलराम राठौड़ के परिवार में वह एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे उनकी तीन लड़कियां हुआ एक अवस्यक पुत्र होने के साथ बूढ़े माता-पिता है इसलिए बलिराम राठौर के परिवार को सरकारी एक करोड रुपए की आर्थिक सहायता देने के साथ उसके विधवा पत्नी को सरकारी नौकरी दे इसके साथ में जिस कंपनी में बलराम राठौड़ काम करता था वह कंपनी भी आक्षीत परिवार को 50 लाख रूपए की आर्थिक सहायता दे इन सब मांगों को लेकर कलोता समाज का प्रतिनिधिमंडल कल सुबह मंत्री कलेक्टर एवं पुलिस कमिश्नर से मुलाकात करेगा।

प्रतिनिधिमंडल में भारतीय जनता पार्टी की जिला उपाध्यक्ष अंतर दयाल पूर्व सरपंच मकवाना जी सरपंच राजेश पटेल भारत दयाल राठौर साहब भी उपस्थित थे।

खरगोन एएसपी के बेटे की जमानत याचिका निरस्त, पत्नी आत्महत्या मामला

इन्दौर। न्यायाधीश जयदीप सिंह की कोर्ट ने खरगोन एएसपी तरुणेंद्र सिंह बघेल के बेटे वरुण सिंह द्वारा पत्नी श्रेया सिंह की आत्महत्या के मामले में प्रस्तुत अग्रिम जमानत आवेदन को निरस्त कर दिया। बता दें कि न्यायालय के आदेश के बाद ही तरुणेंद्रसिंह बघेल, उनकी पत्नी सरोजसिंह और बेटे वरुण सिंह के खिलाफ इन्दौर के एमआइजी थाने में श्रेया सिंह आत्महत्या मामले में प्रकरण दर्ज किया गया था।

श्रेया सिंह ने शादी के 42 दिन बाद ही मायके में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। प्रकरण की जांच एसीपी नरेंद्र रावत (आइपीएस) ने की थी। जांच में यह बात सामने आई थी कि ससुराल वालों की प्रताड़ना से कारण ही श्रेया सिंह ने आत्महत्या की थी।

रावत की जांच रिपोर्ट के बावजूद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एफआइआर दर्ज नहीं की थी जिसके चलते मृतका श्रेया सिंह के पिता अखिलेश प्रताप सिंह ने न्यायालय की शरण ली जहां से एएसपी बघेल, उनकी पत्नी और बेटे के खिलाफ मामला दर्ज करने के आदेश दिए थे। मामले में वरुण ने जिला न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था। जहां दोनों पक्षों के तर्क सुनने के बाद अग्रिम जमानत देने से इनकार करते हुए कोर्ट ने आवेदन निरस्त कर दिया।

छात्र, छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण

इंदौर। माता जीजाबाई शासकीय (स्वशासी) स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय मोती तबेला इंदौर में हेल्थ दि ब्लाइंड फाउंडेशन के प्रयोजन में श्री सांवरमल सामाजिक संस्था इंदौर (अध्यक्ष - गीता शर्मा)।

श्री ऋषि मेहरा के तत्वधान में प्रातः 11ः00 से 1ः00 बजे तक शासकीय अटल बिहारी वाजपई महाविद्यालय के दृष्टिबाधित छात्र, छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देवड़ा स्पोर्ट्स अकादमी से श्री विक्रम देवड़ा जी और हिमांशी जाट नेशनल गोल्ड मेडलिस्ट (मार्शल आर्ट) द्वारा दिया गया।

संदिग्ध वयक्ति को सुनकर,सूंघकर, और स्पर्श के माध्यम से स्वयं की रक्षा करने का कौशल सिखाया गया। हेल्थ दि ब्लाइंड फाउंडेशन से घनश्याम जी व क्वींस कॉलेज की पूर्व ॥ ह्रष्ठ श्रीमती सुहास होलकर , माता जीजाबाई कॉलेज से प्रो. बेला सचदेवा, समर्पित शिक्षा एवं उत्थान समिति से श्री ऋषि मेहरा, विमल सामाजिक सेवा संस्था से योगिता पाटिल द्वारा प्रमुख सहयोग रहा।

केंद्र सरकार ने कुछ वेबसाइट्स को किया ब्लॉक सार्वजनिक कर रहीं थीं आधार और पैन डेटा

इंदौर। केंद्र सरकार ने भारतीय नागरिकों की अहम जानकारी सार्वजनिक करने के आरोप में गूगल सर्च पर कुछ वेबसाइटों को ब्लॉक कर दिया है। ये वेबसाइट्स नागरिकों के आधार और पैन आदि डेटा को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित कर रही थीं।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को सूचना मिली थी कि ये पोर्टल्स नागरिकों की संवेदनशील जानकारी को अनधिकृत रूप से उजागर कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, केंद्रीय आईटी मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल (सीईआरटी-इन) को यह पता चला कि नवी मुंबई की दो कंपनियों की वेबसाइटों से नागरिकों की संवेदनशील व्यक्तिगत पहचान योग्य जानकारियां उजागर की जा रही थीं। प्रारंभिक जांच के आधार पर, इन वेबसाइटों को तत्काल प्रभाव से ब्लॉक कर दिया गया है, और यूआईडीएआई तथा सीईआरटी-इन इस मामले की आगे जांच कर रहे हैं।

यहां आधार जारी करने वाली सरकारी एजेंसी, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई), ने पुलिस में आधार एक्ट 2016 की धारा 29(4) के तहत मामला दर्ज कराया है। इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (सीईआरटी-इन) ने इन वेबसाइटों का विश्लेषण किया और उनमें सुरक्षा की कुछ खामियों का पता लगाया। इसके बाद ही वेबसाइट के मालिकों को अपने आईसीटी बुनियादी ढांचे में सुधार करने और कमजोरियों को ठीक करने की सख्त हिदायत दी गई है।

आईटी मंत्रालय ने सभी संस्थाओं के लिए आईटी एप्लिकेशन के उपयोग के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 के तहत, सीईआरटी-इन द्वारा सूचना सुरक्षा की प्रक्रियाएँ, रोकथाम, प्रतिक्रिया और साइबर घटनाओं की रिपोर्टिंग के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

आईटी अधिनियम में संवेदनशील व्यक्तिगत जानकारी को प्रकाशित करने या उसे सार्वजनिक करने पर पूरी तरह रोक है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि यदि किसी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, तो आईटी अधिनियम की धारा 46 के तहत किसी भी व्यक्ति को शिकायत दर्ज कराने और मुआवजे की मांग करने का अधिकार है। इसके अतिरिक्त, डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट, 2023 पहले ही अधिनियमित किया जा चुका है, और इसके नियमों का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने एप्लीकेशन प्रोग्राम इंटरफेस जल्द पूरा करने के दिए गए निर्देश

ऑनलाइन मिलेगी कोर्ट को जानकारी

इंदौर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के रजिस्टर कुलदीप सिंह कुशवाहा और एडीजी चंचल शेखर एक माह के अंदर रिपोर्ट तैयार कर हाईकोर्ट में पेश करेंगे। इंदौर खंडपीठ के न्यायमूर्ति संजीव एस कालगांवकर ने 35 केस डायरी पेश नहीं होने पर यह संज्ञान लिया है। हाईकोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को वीसी के माध्यम से उपस्थित होने के निर्देश दिए थे।

हाईकोर्ट ने इंदौर जोन के सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सुनवाई के बाद मध्य प्रदेश पुलिस के आईटी विंग के प्रमुख और रजिस्ट्रार को निर्देश दिए हैं।

हाईकोर्ट ने भारतीय नागरिक सुरक्षा सहायता और भारतीय न्याय संहिता के संबंधित प्रावधानों का विवरण देते हुए कहा, क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को प्रभावी बनाना होगा। हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से सभी जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर प्राथमिकता के साथ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की खंडपीठ ने मध्य प्रदेश एससीआरबी को भी निर्देश दिया है। वह केंद्र सरकार के आईसीजेएस 2.0 स्कीम के तहत इस प्रोजेक्ट के लिए अतिरिक्त राशि की मांग कर सकता है। कोर्ट ने आशा व्यक्त की है, केंद्र और राज्य सरकार इस काम के लिए अपेक्षित संसाधन त्वरित रूप से उपलब्ध कराएंगे। केंद्र सरकार ने जो नए कानून बनाए हैं। उसके अनुसार कोर्ट, पुलिस, अस्पताल, लेबोरेटरी इत्यादि की सूचनाओं का ऑनलाइन आदान-प्रदान करने का सिस्टम विकसित किया जा रहा है। इसमें एफआईआर, चार्ज शीट, पोस्टमार्टम, फॉरेंसिक रिपोर्ट, वारंट, समन, लीगल नोटिस सभी ऑनलाइन आदान-प्रदान होंगे। इससे न्यायालय को मामले की सुनवाई करने में आसानी होगी। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इंदौर, देवास तथा राजगढ़ मे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में यह कार्य किया जा रहा है। इंदौर हाईकोर्ट ने एफआईआर और केस डायरी को ऑनलाइन भेजने के निर्देश दिए हैं।

प्रज्ञा शील भंते का सम्मान किया

इंदौर। जिला कोर्ट परिसर में प्रज्ञा शील भंते का सम्मान किया। पूर्व मंत्री दिलिप राजपाल एडवोकेट के मुख्य आतिथ्य में। दिलीप राज पाल पूर्व मंत्री, रमेश विश्कर्मा वरिष्ठ पत्रकार, पूर्व पार्षद राजेंद्र जयसवाल, विवेक मरकान पूर्व जज, सुखदेव खरबडीकर, मोहन शर्मा, सुनील शर्मा, नियमत खान, भीमसिंह सोलंकी, जानकीलाल पटेरिया, किशन भालसे, प्रकाश मुक्तिकर, सहित अनेकों व्यक्तियों ने प्रयागयाँ शील भन्ते का स्वागत किया।

अग्रसेन चौराहे पर अ.भा. कवि सम्मेलन की दावत

इंदौर। पितृ पुरुष महाराजा अग्रसेन के जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में अग्रसेन यूथ क्लब द्वारा इस वर्ष भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सबसे विराट और भव्य आयोजन अ.भा. कवि सम्मेलन का रविवार, 29 सितम्बर को रात 8 बजे अग्रसेन चौराहे पर होगा, जिसमें देश के नामी और प्रख्यात कवि अपनी रचनाओं से श्रोताओं को गुदगुदाएंगे। क्लब के अध्यक्ष रजत गर्ग एवं सचिव प्रतीक गुप्ता ने बताया कि कवि सम्मेलन का संचालन मंच सम्राट राष्ट्रकवि पं. सत्यनारायण सत्तन करेंगे और इसमें शशिकांत यादव, प्रताप फौजदार, मुन्ना बेट्री, दिनेश देसी घी, मोनिका दुबे एवं अना दहलवी सहित अनेक कविगण शामिल होंगे। शहर में लंबे अरसे बाद अखिल भारतीय स्तर के कवि सम्मेलन का यह आयोजन हो रहा है। कार्यक्रम संयोजक गोविंद सिंघल मामा, अतुल अग्रवाल, संजय बांकड़ा एवं संदीप गोयल आटो मनोनीत किए गए हैं।

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर हंट प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

मन्दसौर । विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर छात्रों में जन जागरूकता के उद्देश्य हंट प्रतियोगिता का आयोजन तेलिया तालाब किया गया। इस प्रतियोगिता को जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया । इस दौरान मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन, पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया,नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग, सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन, जिला अधिकारी एवं बच्चे उपस्थित थे । इस प्रतियोगिता में15 साल से ऊपर के विद्यार्थियों और शहरवासियों की दो सदस्य टीम साइकिल के साथ ऐतिहासिक स्थल को मंदसौर में खोजों प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मंदसौर नगर में विभिन्न स्थानों को खोजने ढूंढना एवं उन स्थानों पर अपनी सेल्फी लेना और वॉलेंटियर को अपनी उपस्थिति देने था । रैली का समापन नूतन स्टेडियम मंदसौर में हुआ ।

नाहरगढ़ में 20 नग घरेलू गैस सिलेंडर तथा 06 नग व्यवसायिक गैस सिलेंडर जप्त

नाहरगढ़ (मन्दसौर) । कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग जिला निर्देशानुसार एवं जिला आपूर्ति अधिकारी श्री नारायण सिंह चंद्रावत के नेतृत्व मे खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा सीतामऊ उपखण्ड अंतर्गत आने वाले ग्राम नाहरग मे पोस्ट ऑफिस के सामने संजय सेठिया की मामा मोबाईल शॉप पर छापेमार कार्यवाही करते हुए 20 नग घरेलू गैस सिलेंडर तथा 06 नग व्यवसायिक गैस सिलेंडर अवैधरूप से बिना दास्तावेज के भण्डारण करने के कारण जब्त किए गए। इस दौरान कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री रघुराज सिँह डोडिया तथा सहयोगी दल मौजूद थे।

पोषण माह कार्यक्रम का आयोजन हुआ

पेहड़ा (मन्दसौर) । मल्हारगढ़ 2 सेक्टर के गांव पहेड़ा में पोषण माह कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत सरपंच ,सचिव , महिला बालविकास सुपरवाइजर शमा मंसूरी,जल जीवन मिशन के अंतर्गत दिल्ली से आए हुए अधिकारी ,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका सभी कार्यक्रम में उपस्थित थी । सभी का स्वागत किया गया गर्भवती धात्री महिलाएं और गांव की अन्य महिलाएं उपस्थित रही। कार्यक्रम के अंतर्गत पोषण आहार से संबंधित जानकारी महिलाओं को दी गई स्तनपान और पौष्टिक व्यंजन मौसमी फल, सलाद ,हरी सब्जियां ,अंकुरित अनाज, दालें आदि का सेवन करने की सलाह दी गई इसी के अंतर्गत जल जीवन मिशन के अंतर्गत आए हुए अधिकारी महोदय द्वारा भी महिलाओं को जानकारी से अवगत कराया व साफ सफाई और स्वच्छता व जल से संबंधित जानकारी दी गई ।

श्री दुधाखेड़ी माताजी मंदिर के दान पात्र की दो दिनों की गणना में आंकड़ा 35 लाख 55 हजार पार

भानपुरा (मन्दसौर) । क्षेत्र के प्रसिद्ध आरोग्य धाम श्री दुधाखेडी माताजी मंदिर के दान पात्रों को मंदिर प्रबंध समिति अध्यक्ष एस. डी.एम गरोठ चन्दर सिंह सोलंकी के आदेशनुसार मंदिर समिति सचिव प्रभारी तहसीलदार भानपुरा विनोद शर्मा के निर्देशन मे गणना के दूसरे दिवस शुक्रवार को भी नवागत पटवारी नितिन सिंह द्वारा खोले गए। अधिक जानकारी देते हुए मंदिर लेखापाल नरेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि शुक्रवार को देर शाम तक चली गणना मे कुल 17 लाख 57 हजार 500 रुपये की गणना का कार्य किया गया । इस तरह दो दिवस की गणना का आंकड़ा 35 लाख 55 हजार 500 रुपये पहुँच गया है। शुक्रवार को भी गणना का कार्य राजस्व विभाग भानपुरा नव पटवारी गण,महिला ,पुरुष समीपस्थ ग्रामो के कोटवार, बैंक कर्मचारियों,मंदिर व्यवस्था पक रामेश्वर शर्मा,मंदिर पुजारी घनश्याम नाथ योगी,ग्राम कोटवार परमानन्द शर्मा अन्य समीपस्थ ग्रामो के कोटवार एवं मंदिर कर्मचारियों द्वारा किया गया। गणना कार्य का भानपुरा तहसीलदार विनोद शर्मा ने निरक्षण किया।

मिलावटी पैकघी की सघन जांच हो

मंदसौर । जबसे तिरुपति मंदिर के प्रसाद में पशु चर्बी व फिश ऑयल के मिलावट की बात सामने आई है तब से पूरे देश में मिलावटी घी को लेकर घमासान मचा हुआ है।आमजन की आस्था का सवाल तो है ही साथ में आमजन के स्वास्थ पर भी प्रश्नचिन्ह लग रहा है।जब इतना सस्ता घी बाजार में उपलब्ध है तो उसमे उच्च गुणवत्ता का ध्यान कैसे रखा जाता होगा ये सरकारो के लिए विचारणीय है। उक्त बात खाद्य एवं औषधि प्रशासकीय समिति के सदस्य मिथुन वप्ता ने जिला कलेक्टर को लिखे एक शिकायती पत्र में कही ।

दुधाखेड़ी माताजी नवरात्र महोत्सव की तैयारियों को लेकर मंदिर प्रबंध समिति की बैठक हुई

भानपुरा (मन्दसौर) । सकल हिंदू समाज जनों की आराध्य मां दुर्गा की उपासना, तप- जप एवं आराधना का महापर्व आश्विन शारदीय नवरात्री महापर्व 3 अक्टूबर गुरुवार से प्रारम्भ हो जाएगा। इस महापर्व के दौरान भारत वर्ष के अनगिनत माताजी के मंदिरों मे भक्तिमय आस्था के महाकुम्भ को देखा जा सकता है। भानपुरा तहसील मे स्थित प्रसिद्ध चमत्कारी आरोग्य धाम श्री दुधाखेडी माताजी मंदिर पर भी प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी आश्विन नवरात्री का ये महापर्व भक्तो की भावनाओं के अनुरूप मनाया जावेगा। असाध्य रोग लकवा एवं गंभीर बीमारियों के मरीज एवं मातारानी के मध्यप्रदेश, राजस्थान एवं अन्य प्रदेशों के अनन्य भक्त इस आश्विन नवरात्री मे इस मंदिर पर ठहरकर माँ की भक्ति मे 9 दिवस तल्लीन होकर अपने स्वास्थ्य एवं जीवन को नोनिहाल करेंगे। 3 अक्टूम्बर गुरूवार से आश्विन

शारदीय नवरात्री प्रारम्भ होकर आश्विन सुदी नवमी शुक्रवार 11 अक्टूम्बर को दोपहर हवन उपरांत यह महापर्व परम्परागत रूप से सम्पन्न होगा। इस पर्व की जानकारी देते हुए रात्रि सुरक्षा मंदिर कर्मचारी पंडित.ब्रजेश शर्मा ने बताया कि महोत्सव की तैयारियों को लेकर को श्री दुधाखेड़ी माताजी मंदिर प्रबंध समिति की एक आवश्यक बैठक मंदिर के पास स्थित सामुदायिक भवन मे क्षेत्रीय विधायक चन्दर सिंह सिसोदिया की अध्यक्षता मे गुरुवार को सम्पन्न हुई। मेले मे सुरक्षा की दृष्टि से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षिका हेमलता कुरील के मार्गदर्शन मे अनुविभागीय अधिकारी राजाराम धाकड़ के निर्देशन मे थाना प्रभारी भानपुरा रोहित कछावा के नेतृत्व मे सशस्त्र पुलिस बल की एक चार की गार्ड, थाना भानपुरा पुलिस बल, अन्य थानों का अतिरिक्त पुलिस बल ,महिला आरक्षक, समीपस्थ ग्रामों के पुरुष, महिला कोटवार, रक्षा समिति सदस्य, मंदिर सुरक्षाकर्मी 9 दिन अपनी -अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं देंगे।

माँ शारदा गरबा मण्डल समिति किटियानी का गठन

लगातार नवे वर्ष धूमधाम से मनेगा गरबा उत्सव

मन्दसौर । स्थानीय किटियानी क्षेत्र में मां शारदा गरबा मंडल की मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमे गरबा उत्सव लगातार नवे वर्ष में धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया ।

इस हेतु सर्वसम्मति से एक समिति का गठन किया गया जिसमे संरक्षक श्रीमती नम्रता चावला, अध्यक्ष श्री मेघराज कोठारी, सचिव श्रीमती वीणा हुपेले एवं कोषाध्यक्ष श्री श्याम घाटिया को बनाया गया। समिति में ग्यारह अन्य सदस्यों को भी रखा गया। इस अवसर पर नवनियुक्त अध्यक्ष श्री मेघराज कोठारी ने कहा कि नवरात्रि के ये नौ दिन शक्ति की आराधना के दिन होते है, सच्चे मन से माता के दरबार में भक्ति और आराधना करने से अपार शक्ति, व आत्मबल मिलता है और सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती है, किटियानी क्षेत्र के सभी भक्तों से सक्रिय सहभागिता एवं धूमधाम के साथ इस पर्व को मनाने की अपील की है।

श्री राम नवदुर्गा गरबा मंडल रामटेकरी का हुआ गठन

मन्दसौर। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी गरबा पांडाल की स्थापना को लेकर श्री राम नवदुर्गा मण्डल रामटेकरी की एक महत्वपुर्ण एवं आवश्यक बैठक हुई जिसमे सर्वानुमति से निर्णय लिया गया कि गरबे को भव्य स्वरूप दिया जाए व माँ दुर्गा के 9 दिवसीय पर्व को बड़े ही श्रद्धा से आयोजन किया जाए। बैठक में गरबा मडल समिति का गठन किया गया। जिसमें संरक्षक मण्डल में विधायक श्री विपिन जैन, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, अश्विन जोशी,राघवेन्द्र देतवार को संरक्षक मण्डल में रखा गया।

हिमाचल प्रदेश की जमीन पर तिरंगा लहराकर लौटे स्वयंसेवक अंकित धाकड़

मंदसौर । राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मन्दसौर के प्राचार्य डॉ. डी.सी. गुप्ता ने बताया कि दिनांक 13 से 22 सितंबर 2024 तक पोंग डैम, हिमाचल प्रदेश में भारत सरकार युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना निदेशालय नई दिल्ली द्वारा रा.से.यो. साहसिक शिविर (एडवेंचर कैंप) का आयोजन किया गया । जिसमें विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन परिक्षेत्र के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर (म. प्र.) की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक अंकित धाकड़ ने मध्य प्रदेश एवं महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया । महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री नरेश चंदवानी, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. डी.सी. गुप्ता, जिला संगठक एनएसएस डॉ.के.आर. सूर्यवंशी, कार्यक्रम अधिकारी डॉ.अनिल कुमार आर्य एवं डॉ. गोरा मुवेल ने शिविर से लौटने पर अंकित धाकड का पुष्पमाला, प्रमाणपत्र एवं शील्ड प्रदान कर स्वागत किया।

तीर्थंकर परमात्मा की स्तुति विशिष्ठ फलदायी होती है- साध्वी रमणीककुंवरजी

मंदसौर। 25 सितम्बर से नईआबादी शास्त्री कॉलोनी स्थित श्री जैन दिवाकर स्वध्याय भवन में प्रातः 9 से 10 बजे तक लोगस्य की धर्म आराधना हो रही है। प्रतिदिन 120 से अधिक धर्मालुजन नियत समय पर आकर 108 बार लोगस्य के जाप कर रहे है। जाप के बाद कल शुक्रवार को यहां धर्मसभा में साध्वी श्री रमणीककुंवरजी म.सा. ने कहा कि लोगस्य के जाप में तीर्थंकर परमात्मा की विशिष्ट साधना की गई है जो भी लोगस्स के जाप करते है उन्हें शारीरिक मानसिक व्याधियों से मुक्ति मिलती है।

उपमुख्यमंत्री श्री देवड़ा का कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया

शामगढ़ (मन्दसौर) । प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा नगर में पहुंचे जगदीश देवड़ा का शामगढ़ क्षेत्र में बड़ा गहरा नाता रहा है और काफी समय से इस नगर से लगाव रहा है उनके राजनीतिक जीवन का महत्वपूर्ण समय शामगढ़ सुवासरा क्षेत्र में निकला है ।

आप सुवासरा विधानसभा से विधायक भी रह चुके हैं । वर्तमान में मल्हारगढ़ क्षेत्र से विधायक के रूप में है और प्रदेश में उपमुख्यमंत्री के रूप में अपना कार्य भार संभाल रहे हैं शामगढ़ नगर से लगाव होने के साथ-साथ ही कई पुराने कार्यकर्ता उनसे आज भी जुड़े हुए हैं नगर में पहुंचे निजी कार्यक्रम के साथ-साथ थी नगर के कई कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात करते हुए नजर आए देर रात तक मुलाकात का दौरा शामगढ़ नगर में दिखाई दिया । शामगढ़ नपा अध्यक्ष निवास पर भी गर्मजोशी के साथ श्री देवड़ा का स्वागत किया गया । सभी पार्षदों एवं कार्यकर्ताओं ने पुष्प हार पहनाकर श्री देवड़ा जी के साथ अपनी पुरानी यादो को साझा कीया । नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि राजू भाई नरेंद्र यादव ने देवड़ा जी से भारत माला परियोजना (8लेन)एवं फोर लाइन, कनेक्टिविटी के लिए भी निवेदन किया श्री देवडा ने संपूर्ण जानकारी ई मेल के माध्यम से उन्हें भेजने का अनुरोध किया और हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि ने श्री देवड़ा को शामगढ़ की भौगोलिक स्थिति के बारे में भी विस्तार से बताया किस प्रकार 8 लाइन एवं फोरलेन कनेक्टिविटी होने पर सुवासरा विधानसभा की जनता को भरपूर फायदा मिलेगा इसके लिए भी ध्यान आकर्षण किया ।

पुनीत कार्य करने के बाद पछताए नहीं, मनोभाव से दान पुण्य करें- योगरूचि विजय

मंदसौर। मनुष्य को दान पुण्य या कोई भी पुनीत कार्य पूरे मनोभाव व उत्साह से करना चाहिये। पुनीत कार्य करने के बाद पछताना नहीं चाहिए यदि पुनीत कार्य करने के बाद पछताते है तो उस पुनीत कार्य का फल कम हो जाता है। जीवन में जब भी सेवा एवं पुनीत कार्य करो मनोभाव से करो, करने के बाद पछताओं मत। उक्त उद्गार प.पू. जैन संत श्री योग रूचि विजयजी म.सा. ने आराधना भवन नईआबादी में आयोजित धर्मसभा में कहे। आपने आगम वाचना अंतर्गत जैन शास्त्रों का महत्व बताते हुए कहा कि भगवान महावीर के समय राजा क्षणिक का राज्य था उनके राज्य में मनन सेठ था वह अत्यधिक कंजूस प्रवृत्ति का था। वह फटे पुराने कपड़े पहनता था और बहुत ही साधारण खाना खाता था जबकि उसके पास राजा क्षणिक के बराबर धन सम्पत्ति थी उसने एक बार एक मुनि को कुछ लड्डू विरा (दान) दिये। लड्डू विराने के बादि उसे बहुत पछतावा हुआ और वह लड्डू पुनः मुनिश्री के पास पहुंच गया।

जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की साधारण बैठक 1 अक्टूबर को

मन्दसौर । कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग ने बताया कि जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की साधारण बैठक जिले की प्रभारी मंत्री एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया की अध्यक्षता में 1 अक्टूबर 2024 को आयोजित होगी। बैठक जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित होगी ।

पुरानी पेंशन बहाली हेतु ज्ञापन सौपा

मन्दसौर। राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली आंदोलन के राष्ट्रीय आह्वान पर मध्य प्रदेश के 55 जिले सहित भारतवर्ष के 950 जिला मुख्यालय पर माननीय प्रधानमंत्री के नाम पुरानी पेंशन बहाली हेतु ज्ञापन सौपा गया। इस अवसर पर पेंशन आंदोलन एनएमओपीएस के प्रदेश महामंत्री व रास के प्रदेश उपाध्यक्ष गजराज सिंह सिसोदिया, उज्जैन संभागीय उपाध्यक्ष चंद्रप्रकाश जैन, जिला संयोजक अनिल सांखला, जिला उपाध्यक्ष कीर्तिपाल सिंह सिसोदिया, जिला सचिव हेमंत सुथार, जिले के वरिष्ठ कैलाश चंद्र गुप्ता, नेपाल सिंह राणावत, मल्हारगड़ पेंशन आंदोलन ब्लॉक अध्यक्ष दीनदयाल सिंह शक्तावत, मोर्चा ब्लॉक अध्यक्ष प्रहलाद खटोड़ रास कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष विनोद चौहान, दलोदा ब्लॉक अध्यक्ष गोपाल सिंह आंजना, वरिष्ठ खेल शिक्षक रघुवीर मालवीय, महिला मोर्चा की वरिष्ठ श्रीमती विमल वाणी दुबे, श्रीमती ज्योति चौहान, श्रीमती लीलावती सिसोदिया, श्रीमती किरण भाटी, श्रीमती सुशीला पालडिय़ा, श्रीमती बिंदिया चौहान, श्रीमती कविता जैन, श्रीमती आशा मेहता, अध्यापक साथी प्रदीप जाटव, गोपाल कृष्ण, राजेंद्र पांडे, गुणवंत जैन, बद्रीलाल किटकर, पारसमल, बी एल सिंनम, आर एन पाटीदार, आर यादव, महेंद्र सिंह तोमर, एस के गुप्ता, जगदीश शर्मा, दीनदयाल बैरागी, धर्मेंद्र चौहान, बलवंत चड़ावत, हितेश धनोतिया, मेघराजसिंह सिसोदिया सहित साथी उपस्थित थे। सुशासन भवन मंदसौर में जिला कलेक्टर के प्रतिनिधि के रूप में डिप्टी कलेक्टर देव् कुंवर सोलंकी द्वारा ज्ञापन लिया गया। प्रधानमंत्री के ज्ञापन का वाचन जिला संयोजक अनिल सांखला द्वारा किया गया, मुख्यमंत्री के लिए ज्ञापन का वाचन पेंशन मोर्चा मल्हारग? ब्लॉक अध्यक्ष दीनदयाल सिंह शक्तावत द्वारा किया गया एवं 12 व 24 वर्ष की क्रमोन्नति हेतु जिलाधीश के नाम के ज्ञापन का वाचन महिला मोर्चा की वरिष्ठ श्रीमती विमलवाणी दुबे द्वारा किया गया। अंत में आभार दलोदा ब्लॉक अध्यक्ष गोपाल सिंह आंजना ने माना।

चिकित्सकों तथा अस्पताल प्रशासन के प्रति सही समर्थन और विश्वास बनाए रखे

मन्दसौर। आज मंदसौर चिकित्सा के क्षेत्र में तेजी से आगे बड़ रहा है, जटिल से जटिल बीमारियों के इलाज की सुविधा जो कल तक महानगर मे ही उपलब्ध थी आज आपके अपने शहर में भी उपलब्ध है, उच्च स्तरीय सुविधा होने के बाद भी इलाज का खर्च अभी भी महानगरों की तुलना में बहुत कम है और चिकित्सकीय सेवा भी सुगमता से उपलब्ध है। हाल ही में पमनानी हॉस्पिटल, मंदसौर में एक मरीज का ऑपरेशन किया गया। जिसके बाद इस पूरे मामले को जानबूझकर नकारात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया है। मरीज के परिजन बार-बार अस्पताल प्रशासन से धनराशि की मांग कर रहे हैं। हॉस्पिटल प्रशासन के खिलाफ सोशल मीडिया में नकारात्मक कवरेज की जा रही है, जिससे समाज मे गलतफहमी स्थिति उत्पन्न हो रही है। हम मंदसौर नर्सिंग होम एसोसिएशन के सदस्य, यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि समाज को यह समझना चाहिए कि कोई भी डॉक्टर किसी मरीज का इलाज जानबूझकर गलत तरीके से नहीं करता है। हम हर दिन कई जिंदगियों को बचाने का पूरा प्रयास करते हैं। कभी-कभी, सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद भी कुछ मरीज की स्वयं की शारीरिक रचनाओ/परिस्थितियों के कारण जटिलताएँ उत्पन्न हो जाती हैं,और यह एक स्वाभाविक स्थिति है। इसे जानबूझकर नहीं किया जाता है। ऐसी परिस्थिति में भी डॉक्टर एवं अस्पताल, मरीज के सम्पूर्ण स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रयास एवं कामना करते हैं। इसलिए, समाज को इस गंभीर परिस्थिति को समझने की आवश्यकता है और चिकित्सकों तथा अस्पताल प्रशासन के प्रति सही समर्थन और विश्वास बनाए रखना चाहिए। समाज के सभी वर्गों के सहयोग से ही हम अपने शहर को एक उन्नत मेडिकल हब में परिवर्तित कर पायेगे।

बारिश ने कृषि मंडी में खुले में पड़ी सोयाबीन समेत अन्य उपज को प्रभावित किया

मंदसौर । मंदसौर शहर सहित जिले के कुछ क्षेत्रों में दोपहर बाद अचानक बारिश शुरू हो गई। मंदसौर शहर में करीब 10 मिनट तक रिमझिम बारिश हुई। जबकि मल्हारगढ़ के नापाखेड़ा समेत अन्य क्षेत्रों में भी बारिश हुई। इस बारिश ने कृषि मंडी में खुले में पड़ी सोयाबीन समेत अन्य उपज को प्रभावित किया, जिससे कई किसानों को नुकसान हुआ है।

किसानों का कहना है कि बारिश का अलर्ट या बारिश जैसी स्थिति होने पर मंडी प्रशासन को छपरे से बाहर खुले में पड़ी उपज की नीलामी पहले करनी चाहिए। सोयाबीन के लिए आए किसान प्रहलाद पाटीदार ने बताया कि सुबह उनकी उपज बिक सकती थी, लेकिन मंडी प्रशासन ने पहले छपरे में पड़ी उपज को नीलाम करवाने का फैसला किया। इसके चलते बारिश के कारण करीब 100 क्विंटल माल खराब हो गया।

किसानों का यह भी कहना है कि सोयाबीन के भाव पहले ही सही नहीं मिल रहे हैं और अब बारिश के कारण हुए नुकसान से उनकी

मुश्किलें और बढ़ गई हैं। एक अन्य किसान ने बताया कि मंडी में उन्हें 3500 से 4500 रुपए के भाव ही मिल रहे हैं। जिससे उनकी आमदनी पर गहरा असर पड़ा है।

इनका कहना

मंडी सचिव पर्वत सिंह सिसोदिया ने स्थिति को लेकर जानकारी देते हुए कहा कि मंडी में माल की आवक ज्यादा है। उन्होंने यह भी बताया कि वे किसानों को अलर्ट करते हैं कि छपरे से बाहर उपज न रखें। हालांकि, किसान उनकी बात नहीं मानते। बारिश की वजह से कुछ देर के लिए मंडी में नीलामी में रुकावट आई। हालांकि,अब यह फिर से शुरू हो गई है।

किसानों की इस समस्या को ध्यान में रखते हुए यह आवश्यक है कि मंडी प्रशासन उचित कदम उठाए। जिससे भविष्य में किसानों को इस तरह के नुकसान से बचाया जा सके। किसानों ने मांग की है कि ऐसी स्थितियों में उनके हितों की रक्षा के लिए प्रभावी नीतियों का पालन किया जाए।

समन्वय से हुआ समस्या का समाधान

भोपाल।

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने शुक्रवार को मेट्रो, रेलवे एवं लोक निर्माण सेतु विभाग के अधिकारियों की बैठक कर उनमें समन्वय करते हुए नरेला विधानसभा अंतर्गत ऐशबाग रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य में आ रही अड़चनों को दूर किया।

मंत्री श्री सारंग ने बैठक में रेल्वे क्रॉसिंग क्रमांक 250 ऐशबाग स्टेडियम के पास बन रहे मेट्रो रूट एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाये जा रहे आरओबी के अलाइनमेंट को आपसी समन्वय एवं रेल्वे ओवरब्रिज पर रेलवे के सहयोग से स्लेब की चौड़ाई को मेट्रो रूट की ओर से कम कर रेल्वे ट्रैक की ओर बढ़ाने के निर्देश दिये। उन्होंने यह भी निर्देश दिये है कि लोक निर्माण विभाग के अधिकारी रेल्वे विभाग से समन्वय स्थापित कर रेल्वे द्वारा रेल्वे पोर्शन में बनाए जा रहे स्लैब की डिजाइन को यातायात की आवश्यकतानुसार रेल्वे के जबलपुर स्थित वरिष्ठ अधिकारियों से निश्चित समयावधि में स्वीकृत कराएं। मेट्रो के अधिकारी रेल्वे और लोक निर्माण विभाग इस संयुक्त प्रस्तावित ड्राइंग पर सहमत हैं। बैठक में रेल्वे विभाग से सीपीएम श्री मीणा, मेट्रो से श्री हरिओम शर्मा और ब्रिज डिवीजन भोपाल से श्री रविशुक्ला एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नहीं बदलना पड़ेगा मेट्रो का अलाइनमेंट, ना बढ़ेगी लागत

बरखेड़ी फाटक के पास पीडब्ल्यूडी द्वारा बनाये जा रहे

ऐशबाग रेलवे ओवरब्रिज के पास से मेट्रो रूट का लगभग 1 मीटर हिस्सा आ रहा था। इसके लिये मंत्री श्री सारंग ने पीडब्ल्यूडी, मेट्रो एवं रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर स्लैब के नवीन डिजाइन पर चर्चा की। स्लैब की नई डिजाइन में आरओबी के अलाइमेंट की चौड़ाई को मेट्रो रूट से लगभग 1 मीटर कमकर रेलवे ट्रेक की ओर से बढ़ाया जायेगा। इससे लागत में भी वृद्धि नहीं होगी और निश्चित समयावधि में कार्य पूर्ण हो सकेगा।

उल्लेखनीय है कि लोक निर्माण विभाग द्वारा अभी तक स्लैब कास्टिंग का कार्य नहीं किया गया है। जिससे आसानी से आरओबी को रेलवे ट्रेक की ओर शिफ्ट किया जा सकता है। जिसमें शासन को अतिरिक्त व्यय नहीं करना होगा।

मंत्री श्री सारंग की इंजीनियरिंग से फिर बचे शासन के करोड़ो का खर्च

मंत्री श्री सारंग ने फिर एकबार अपनी शैक्षणीक योग्यता व तकनीकी कुशलता का परिचय देते हुए मेट्रो, लोक निर्माण सेतु व रेलवे के अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित कर मेट्रो व ऐशबाग आरओबी निर्माण कार्य में आ रही अड़चनों को दूर किया। इससे ना केवल शासन का करोड़ो का खर्चा बचा साथ ही काम भी अब रोकना नहीं पड़ेगा। ज्ञात हो कि इससे पहले मंत्री श्री सारंग की इंजीनियरिंग की बदौलत ही नरेला विधानसभा अंतर्गत चेतक ब्रिज के पास 200 करोड की लागत से नया फ्लाईओवर बनाने के स्थान पर लगभग 18 करोड में ब्रिज का चौड़ीकरण कर शासन के करोड़ों रूपये बचाये थे।

रेलवे ओवरब्रिज का कार्य तीव्रता से जारी

रेल्वे ओवरब्रिज ऐशबाग का कार्य तीव्रता के साथ जारी है। जिसमें वर्तमान में अभी तक 22 नग फाउंडेशन एवं पीयर, 18 नग स्लेब का कार्य पूर्ण किया जा चुका है और अब मात्र 05 नग स्लेब और दोनों ओर के रेम्प का कार्य शेष है। रेल्वे ओवरब्रिज की लंबाई 648 मीटर और चौड़ाई 8.4 मीटर है। यह कार्य दिनांक 21 मार्च 2023 को प्रारंभ किया गया और वर्षाकाल सहित 18 माह की समय सीमा में इसे पूर्ण किया जाना है।

ट्रेफिक का दबाव होगा कम

ओवरब्रिज के निर्माण से ऐशबाग क्षेत्र के लोगों को न तो फाटक पर इंतजार करना पड़ेगा और न ही लंबा चक्कर लगाने की जरूरत पड़ेगी। इस आरओबी के बन जाने से प्रतिदिन लगभग 3 लाख शहरी आबादी लाभान्वित होगी।

मेरा कॉलम

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'
मो. नं. 73 8657 8657

जहँ जहँ पैर पड़े

आदमी जब ज्ञान आदमी तक सीमित रहता है तो अपने दोनों हाथों से कमाल करता है। धमाल भी कर सकता है। लेकिन जब वह चतुर्भुजी यानी चार भुजाओं वाला या अष्टपादी यानी ऑक्टोपस मतलब आठ पैरों वाला बनकर बहुत कुछ करना चाहता है, वहीं से उसकी फिसलन शुरू होती है।

भैया। ये ज्ञान गंगा सुबह सुबह क्यों बहने लगी। कारण क्या है?

छोटू! इस बीच तीन तीन राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाली सुंदरी नायिका की तिलमिलाहट से मेरे मन में जो बात आई, वह मैं अपने तरीके से बता रहा हूं।

उसे क्या हुआ? अच्छी खासी हीरोइन, फिर निर्माता बनी, फिर दक्षिण की फिल्में कीं। सत्ता पार्टी की तरफ से सांसद बन गई और अब निर्देशक भी बन गई। दिक्कत क्या है?

दिक्कत मुझे नहीं, उसे हुआ है? अकेली पड़ गई। समर्थन देने वाले बड़े हाथ नहीं हैं। वह तो ऐसे हो गया जैसे जिनके लिए मैं मर गया उनका ये हाल है, ईंटें चुराके ले गए मेरी मज़ार से।

आप पहेलियों में बातें न करो। मैं अकिंचन आपकी भावगर्भित बातों के अर्थ नहीं जान पा रहा हूँ भैया!

सुनो छोटू! जब वह केवल हिन्दी फिल्मों में हीरोइन थी तो उसका सारा ध्यान अभिनय और अभिनय में ही था। उसी की वजह से तीन फिल्मों में तीन राष्ट्रीय पुरस्कार जीते। फिर अपने मुंह पर काबू न रहा तो मुंबई के सरकार से पंगा और फिर कोर्ट का चक्कर। इसी में सत्ता पार्टी के करीब आई। मणिकर्णिका फिल्म के दौरान दक्षिण के निर्देशक से बड़ा झगड़ा, एक छह उंगलियों वाले हिन्दी हीरो से भी टकराई। मणिकर्णिका का भी वही हाल हुआ। । दक्षिण की बहुत बड़ी नेता के जीवनी पर बनी फिल्म किया, फ्लॉप रही। उसके बाद दक्षिण की ही बड़ी फिल्मों में पैर रखा। बंटाधार। नए इतिहास प्रवक्ता के आधार पर सत्ता पार्टी ने टिकट दिया, सांसद बनी। सत्ता पार्टी के पक्ष में बोलकर थप्पड़ भी खाई।

फिर क्या हुआ भैया, बड़ी दिलचस्प कहानी है। बोलिए।सी

फिर सत्ता पार्टी की सांसद ने सत्ता पक्ष के सर्वोच्च को खुश करने उनके पसंदीदा जुगाली करते शब्दों में से एक विशेष शब्द जो की उनका प्यारा है जिस पर वे घंटों कहीं भी अनर्गल बोल सकते हैं, जिस घटना के पचास वर्ष भी पूरे हो रहे हैं। उस विषय पर फिल्म की सह निर्मात्री, निर्देशक और नायिका के रूप में बहुआयामी व्यक्तित्व के प्रदर्शन के लिए जुटी। फिल्म बनी, सेंसर में अटकी, फिर न्यायालय के चक्कर, इंटरव्यू में खास तबके और खास पार्टी पर इनके वाग्बाणों ने मोहतरमा की परेशानियाँ बढ़ाई। फिल्म अब तक रिलीज नहीं हुई। सत्ता पार्टी की इतनी बड़ी समर्थक को किसी ने भी समर्थन, सहयोग और साथ नहीं दिया। वे अपने अपने में व्यस्त हैं और मस्त हैं।

भैया! अब समझ में आई बात आपके ज्ञान गंगा की। जिसका काम उसी को साझे और कहे तो ठेंगा बाजे।

बिलकुल। इसलिए तो कहा जाता है जहँ जहँ पैर पड़े संतन के, तहँ तहँ बंटाधार।

स्वच्छता पखवाडे के तहत किया स्वास्थ्य परीक्षण

पिपलोदा । विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर सफाईकर्मियों का स्वच्छता पखवाडे के तहत स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। बीएमओ डॉ. पवन पाटीदार ने अपने बडे पिता हीरालाल पाटीदार की प्रेरणा से नगर परिषद के सभी सफाईकर्मियों का शाल-श्रीफल से सम्मान किया। पाटीदार ने बताया कि सफाई मित्र द्वारा अपने कार्य से हमे होने वाली विभिन्न गंभीर बीमारियों से बचाया जाता है, साथ ही इस पर्यावरण को स्वास्थ्य व सुंदर बनाने में इनका महत्वपूर्ण योगदान होता है। मेडिकल आफिसर डॉ. जितेंद्र पाटीदार ने स्वास्थ्य व सफाई संबंधी जानकारी दी। बीसीएम कवरलाल पाटीदार ने आयुष्मान पखवाड़े की तथा मलेरिया सुपर वाइजर अशोक पोरवाल ने मलेरिया-डेंगु से बचाव के टिप्स दिए। इस दौरान चिंतामण चटप, बीपीएम अनिल डुडवे, बीईई रामसिंह खराड़ी आदि उपस्थित थे।

टेकरी दानपात्रों से निकली साढे लाख से अधिक की राशी-

जावरा । हुसैन टेकरी शरीफ परिसर के दानपात्रों को प्रशासनिक

अधिकारी की उपस्थिति में खोला गया, जिसमें से चांदी व गिलेट सहित नगदी प्राप्त हुई। प्रबंध समिति वक्फ हुसैन टेकरी शरीफ सचिव बाले खान ने बताया कि टेकरी परिसर के दानपात्रों को प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में 26-27 सितंबर को खोलकर गिनती की गई। प्रबंध अध्यक्ष रऊफ मोहम्मद कुरेशी, कोषाध्यक्ष मोहम्मद रफीक शाह ने बताया कि दानपात्रों से निकली राशि का उपयोग टेकरी शरीफ के विकास कार्यों के साथ जायरिनों की उत्तम व्यवस्था में किया जाएगा। इस मौके पर समिति सदस्य सैयद नासिर अली सहित हुसैन टेकरी कर्मचारी उपस्थित रहे।

ममता पंड्या ने एडवांस्ड स्किन एस्थेटिक्स कोर्स किया पूरा

जावरा । शहर की ममता-रानू पंड्या ने सौंदर्य और त्वचा देखभाल के क्षेत्र में एक नई छलांग लगाते हुए पुणे में आयोजित चार दिवसीय एडवांस्ड स्किन एस्थेटिक्स कोर्स सफलता से पूरा किया। इस कोर्स में त्वचा के कायाकल्प से लेकर एंटी-एजिंग थेरेपी और अत्याधुनिक लेजर तकनीकों तक की उन्नत विधियों का ज्ञान प्राप्त किया। ममता पंड्या ने कोर्स के अनुभव को करियर का एक नया आयाम बताते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण उन्हें अपनी सेवाओं को और भी उत्कृष्ट बनाने में मदद करेगा।

अब ममता पंड्या की स्किन केयर विशेषज्ञता से ग्राहक और भी निखरी

माधवानंद एकेड्मी पर हुई संजा बनाओं प्रतियोगिता

जावरा । संजा हमारी संस्कृति का लोकपर्व है, लोकपर्व हमारे जीवन में उत्साह एवं समन्वय का संचार करते हैं। इसलिए हमारी सांस्कृतिक विरासत के लोकपर्व मनाना गौरव का विषय है, संजा पर्व हमारी बालिकाओं को सांस्कृतिक विरासत से परिचय कराता है तथा समाज में गीतों की मिठास घोलता है।

उक्त विचार श्री माधवानंद

एकेडमी पर आयोजित संजा बनाओ प्रतियोगिता में अतिथि शिक्षाविद ओमप्रकाश त्रिवेदी, राधेश्याम धनोतिया ने व्यक्त किए। पालक अतिथि हेमलता राठौर, मंजु धाकड़ ने बच्चों द्वारा बनाई गई संजा की सराहना की। इस दौरान बालिकाओं ने संजा के गीत भी प्रस्तुत किए। जिन बालिकाओं ने संजा बनाई उन्हें यो माया को मालवो या मालवा की माया संस्था उज्जैन एवं विद्यालय द्वारा प्रमाण पत्र के साथ प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किए। अतिथियों का स्वागत संस्था प्रधानाध्यापिका उषा श्रोत्रीय, प्राचार्य मनीष शर्मा व शिक्षक ने किया। संचालन अंकिता सोलंकी ने तथा आभार प्राची सोलंकी ने माना।

मॉडल स्कुल में प्लास्टिक से ईको ब्रिक्स निर्माण का दिया प्रशिक्षण

जावरा । मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था चित्रांश वेलफेयर सोसायटी द्वारा शहर के मॉडल स्कुल में विद्यार्थियों को सिंगल यूज प्लास्टिक से ईको ब्रिक्स निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान स्वच्छता का संदेश देते हुए उन्हे शपथ भी दिलाई।

जिला समन्वयक रत्नेश विजयवर्गीय, विकासखण्ड समन्वयक युवराजसिंह पंवार, स्वच्छ भारत मिशन विकासखण्ड समन्वयक मंगल चौहान रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय

प्राचार्य निर्मला बैरागी ने की। इस दौरान संस्था अध्यक्ष शिवेंद्र माथुर, परामर्शदाता विनीतासिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता ही सेवा अभियान, स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता है। हमे स्वच्छता के लिए प्रतिदिन कम से कम 2 घंटे देना होगे।

इस मौके पर खुशी एक पहल संस्था से अमन माहेश्वरी, परामर्शदाता गोपालसिंह राठौर, विश्वेन्द्र माथुर, राकेश राठौड़, अभिषेक खराड़ी, महेश कुमार नोटिया, दीपक जैन, जितेंद्र पाटीदार, राकेश राठौर, मांगीलाल दडिंग, हेमंती रानी, मेरियन वर्मा, प्रीति मेहता आदि उपस्थित थे। संचालन पंकज माहेश्वरी ने किया।

ढोढर में हुआ स्वच्छता संवाद का आयोजन

ढोढर । स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ढोढर में स्वच्छता संवाद विकासखंड समन्वयक मंगल सिंह चौहान, इंजीनियर मनीष कुल्हारे, पंचायत सरपंच जगदीश माली, जनपद सदस्य प्रतिनिधि बसंतीलाल चौधरी, सचिव नाथूलाल पाटीदार के आतिथ्य में किया। इस दौरान विद्यालय में दौड़, स्वच्छता मॉडल प्रतियोगिता के साथ स्वच्छता संवाद भी किया। चित्रकारी प्रतियोगिता में कक्षा 12 वी की छात्रा मोनिका को प्रथम पुरस्कार भेंट कर सम्मानित किया। मंगलसिंह द्वारा स्वच्छता से होने वाले लाभ और प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले दुष्प्रभाव से अवगत कराया। इस दौरान विद्यालय प्राचार्य आरती सिसोदिया, जितेंद्र शर्मा, बालमुकुंद जोशी के साथ शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ विद्यार्थी उपस्थित थे।

आर्ट ऑफ लिविंग का 45 दिनी सुदर्शन क्रिया संकल्प हुआ पूर्ण

जावरा। आर्ट ऑफ लिविंग परिवार द्वारा साधकों को करवाए जा रहे ऑनलाइन डेली साधना का 45 दिवसीय संकल्प पूर्ण हुआ। जावरा लिविंग परिवार द्वारा अमी पंड्या दाहोद गुजरात के सानिध्य में 12 अगस्त से प्रतिदिन सुबह 6.45 से 8.15 बजे तक नियमित साधना करने का संकल्प कराया गया। जिसमें योग, प्राणायाम, ध्यान, सुदर्शन क्रिया के साथ नियमित अभ्यास साधकों द्वारा ऑनलाइन समूह में पूर्ण किया गया।

नवरात्रि पर्व पर भक्तों की सुविधा के लिए हरसंभव प्रयास जारी

देवास। नवरात्रि में माता टेकरी पर लाखों भक्तों और दर्शनार्थियों को किसी तरह की असुविधा न हो और सुगमता से दर्शन हो सकें इसके लिए पूरी प्रशासनिक टीम वचनबद्ध है। पर्व की तैयारियों को लेकर जिला-नगर निगम एवं पुलिस प्रशासन की टीम प्रण-प्राण से लगी है। निर्धारित समय से पहले सभी कार्य पूर्ण कर लिए जायेंगे।

यह बात देवास के प्रशासनिक अधिकारियों ने माता जी की टेकरी पर आयोजित स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के संवाद कार्यक्रम में कही। नगर निगम आयुक्त रजनीश कसेरा ने बताया कि नवरात्रि पर्व के दौरान प्रतिदिन आने वाले भक्तों की सुविधा के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि टेकरी और देवास शहर में दर्शनार्थियों की सुविधा, सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को ध्यान रखकर तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। पर्व शुरू होने से पहले ही पार्किंग, भंडारों के स्थान, सफाई आदि व्यवस्थाएं चाक-चौबंद कर ली जायेगी। उन्होंने बताया कि नवरात्रि पर्व में पहले छः दिनों में डेढ़ से दो लाख और अंतिम तीन दिनों में सात से आठ लाख श्रद्धालु देवास आते हैं। प्रतिवर्ष श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोतरी होती जा रही है।

एडीएम प्रवीण फुलपगारे ने कहा कि प्रशासनिक टीम अपने बीते साल के अनुभवों के साथ-साथ भक्तों को बेहतर सुविधा और सुगमता से दर्शन करवाने के लिए तैयार है और सभी तैयारी लगभग अंतिम चरण में हैं। उन्होंने बताया कि यह सुखद संयोग है कि गत वर्ष की देवास जिले की सम्पूर्ण प्रशासनिक टीम इस बार भी अनुभव के साथ मैदान में है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री, विधायक एवं महापौर भी नवरात्रि महोत्सव को लेकर भक्तों की सुविधाओं के लिए लगातार मार्गदर्शन कर रहे हैं।

देवस्थान समिति के सचिव और एसडीएम बिहारी सिंह ने कहा कि नवरात्रि पर्व देवास का सबसे बड़ा आयोजन है जहाँ लाखों की संख्या में लोग माता रानी के दर्शनों के लिए देवास आते हैं, जिन्हें सुगमता से दर्शन हो सकें। टेकरी पर सुगमता और शीघ्रता से दर्शन हो सकें इसके लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

माता जी की टेकरी के मुख्य पुजारी अशोक पुजारी एवं महेश पुजारी ने कहा कि यह देश का एकमात्र तीर्थ स्थल है जो नवरात्रि पर्व के दौरान चौबीस घंटे खुला रहता है। मान्यता है कि मन से मन्नत करने वालों की कामना माता जी अवश्य पूरी करती हैं। उन्होंने टेकरी की स्थापना और माता जी से जुड़ी अनेक रोचक जानकारी भी दी। कार्यक्रम में तहसीलदार सपना शर्मा और निधि राजपूत भी मौजूद थीं। प्रारंभ में अध्यक्ष प्रवीण कुमार खारीवाल ने स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के कार्यक्रमों और विभिन्न यात्राओं की जानकारी दी। वरिष्ठ कार्टूनिस्ट गोविन्द लाहोटी 'कुमार' ने सभी अतिथियों को देवास टेकरी का कैरीकेचर एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. रजनी भंडारी ने स्मारिका 'खुशबू' भेंट की। महासचिव आलोक वाजपेयी ने आभार व्यक्त किया।

स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. द्वारा इस अवसर पर अधिकारियों तथा देवास प्रेस क्लब के पदाधिकारियों का सम्मान किया गया और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। प्रारम्भ में अतिथियों का स्वागत डॉ. रईस कुरैशी, मोहन वर्मा एवं नितिन गुप्ता ने किया। इसके पूर्व स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के मीडिया दल की रोप वे स्टैंड पर अगवानी तथा स्वागत पूर्व अध्यक्ष अनिल राज सिंह सिकरवार, अध्यक्ष अतुल बागलीकर एवं सचिव चेतन राठौर सहित देवास के पत्रकारों एवं फोटोग्राफर साथियों ने किया।

मीडिया दल ने माता टेकरी पर विराजित माँ तुलजा भवानी एवं माँ चामुण्डा देवी के दरबार में हाजिरी लगाई। मीडिया दल के सभी सदस्यों को नगर निगम आयुक्त रजनीश कसेरा की ओर से प्रसादी, वरिष्ठ पत्रकार डॉ. रईस कुरैशी की ओर से डायरी-पेन एवं अशोक पुजारी की ओर से माता जी की चुनरी भेंट की गई। वरिष्ठ पत्रकार मोहन वर्मा ने स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के अध्यक्ष प्रवीण कुमार खारीवाल को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

बड़वानी पुलिस ने पशु परिवहन करते हुए आरोपी को पकड़ाए

धार कानवन से लोड कर पशु (भैंस) ले जा रहे थे धुले (महाराष्ट्र)

बड़वानी। गौ तस्करी के संगठित अपराध पर अंकुश लगाने के लिए बड़वानी पुलिस द्वारा जहां एक ओर सतत नाकाबंदी के जरिए अवैध परिवहन पर अंकुश लगाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर मुखबिरों एवं तकनीकी सर्विलांस के जरिए अवैध गौवंश परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी के साथ पुलिस अधीक्षक बड़वानी द्वारा गौ तस्करी के प्रकरणों में पेशेवर ढंग से विवेचना करने के लिए सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है एवं उनका सतत सुपरविजन एसडीओपी स्तर के अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है। ताकि न्यायालय से कुख्यात गौ तस्करों को कठोर से कठोर दंड दिलाया जा सके। इसी तारतम्य में थाना ठीकरी पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए अवैध पशु परिवहन एवं गौवंश पशु तस्करी को रोकने एवं आदतन आरोपियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल पाटीदार एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) बड़वानी दिनेश सिंह चौहान के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में चलाए जा रहे अभियान के दौरान एबी रोड़ हाईवे चैकिंग के दौरान धार खलघाट तरफ से आ रही आईसर क्रमांक एमएच 18 जेडबी 0198 को रोक कर चेक किया गया, जिसमें अवैध रूप से 18 नग भैंसे लोड थी, जो धार जिले के कानवन बाजार से लोड करके महाराष्ट्र के धुले माले शहर ले जाना पाया

गया। आरोपी चालक व मालिक कालू पिता अजीत खान जाति मुसलमान उम्र 29 साल निवासी खड़ाकवानी जिला खरगोन के विरुद्ध पशु क्रूरता अधिनियम की धारा 11 डी के अंतर्गत अपराध घटित करना पाए जाने पर 18 नग भैंसे व वाहन जप्त कर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपी चालक/मालिक कालू खान की अन्य थानों से आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी ली जा रही है। जानकारी प्राप्त होने के बाद आरोपी पर पृथक से कड़ी वैधानिक कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद ने बताया कि गौवंश तस्करी के मामलों में पेशेवर ढंग से विवेचना पर बड़वानी पुलिस द्वारा विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिसके चलते न्यायालय से आरोपियों को दंडित कराने में सफलताएं प्राप्त की हैं। आने वाले दिनों में भी विवेचना को और अधिक पेशेवर एवं वैज्ञानिक बनाया जाएगा, जिससे गौ तस्करों के संगठित गिरोह पर कठोर आघात किया जा सके। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि वैज्ञानिक विवेचना के साथ-साथ गौवंश तस्करी में प्रयुक्त वाहनों की राजसात की कार्रवाई पर भी विशेष रूप से ध्यान दिया जा रहा है एवं आगामी दिनों में कई वाहनों को राजसात आदेश कलेक्टर से प्राप्त किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि गौवंश तस्करी के विरुद्ध जारी बड़वानी पुलिस के अभियान के तहत 22 सितम्बर 2024 तक कुल 47 प्रकरण पंजीबद्ध कर 95 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है एवं 660 गौवंश सुरक्षित बरामद कर गौशालाओं के सुपुर्द किया गया है। 33700000 रूपए की राशि के 52 वाहनों को जप्त कर उनकी राजसात की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। गौवंश तस्करी में संलिप्त 13 आदतन अपराधियों को 955000 रूपए की राशि से फ़इनल बॉण्ड ओवर कराया गया है।

जवां दिलों की धड़कन के डॉक्टर थे यश चोपड़ा

जयंती विशेष (27 सितंबर)

27 सितंबर 1932 को जन्मे यश चोपड़ा की आज जयंती है। कहाँ से शुरू किया जाए और कहाँ खत्म, आज के आलेख के लिए यह सबसे बड़ी मुश्किल है, ठीक उसी तरह जैसे जवां दिलों की धड़कन का इलाज़ बेहद मुश्किल होता है। कभी एकदम तेज दौड़ने लगती है तो कभी यूं लगता है कि बस, सांस रुकने ही वाली है। ऐसे दिल जब भी धड़कते थे और बेकाबू हो जाते थे तो उनका इलाज़ किया करते थे यश चोपड़ा जिन्हें जवां दिलों की धड़कन का डॉक्टर माना जाता था। यह कोई हलकी बात नहीं है और न ही यह कोई मज़ाक है, यह सब उनकी फिल्में स्वयं बोलती हैं। ऐसा नहीं है कि उनकी फिल्मों को देखकर सिर्फ मुहब्बत करने वालों का ही दिल धड़कता था लेकिन यही उनकी वो विशेषता थी कि दर्शक खुद-ब-खुद थियेटर की ओर खींचे चले आते थे।

अपने बड़े भाई बलदेव राज चोपड़ा के साथ फिल्मों के लिए काम करने वाले यश चोपड़ा ने 1959 में सबसे पहले 'धूल का फूल' निर्देशित की। अपनी पहली ही फ़िल्म में दिल के अंदर जलती आग को 'तू हिंदू बनेगा ना मुसलमान बनेगा.......' गीत के माध्यम से जब उन्होंने प्रकट किया तो लोग अश-अश कर उठे। राजेंद्र कुमार और माला सिन्हा की मुख्य भूमिकाओं वाली 'धूल का फूल' में अशोक कुमार, नंदा, मनमोहन कृष्ण ने भी काम किया था। एन दत्ता के संगीत निर्देशन में साहिर लुधियानवी के लिखे गीतों में 'तेरे प्यार का.......' जैसा गीत आज भी बेहद पसंद किया जाता है। इस फ़िल्म के लिए मनमोहन कृष्ण को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का फ़िल्मफ़ेयर पुरस्कार भी प्राप्त हुआ था।

आचार्य चतुरसेन के उपन्यास 'धर्मपुत्र' को लेकर यश चोपड़ा ने 1961 में इसी नाम से फ़िल्म निर्देशित की। इसमें भारत के विभाजन के आधार पर कहानी को बुना गया। यहाँ पर भी नायिका माला सिन्हा थी लेकिन नायक थे शशि कपूर, जिनकी नायक के रूप में यह पहली फ़िल्म थी। इस फ़िल्म के भी गीतकार साहिर थे और संगीतकार एन दत्ता। आशा भोसले और मोहम्मद रफ़ी का गाया गीत 'सारे जहां से अच्छा.......', जो मुहम्मद इकबाल ने लिखा था इस फ़िल्म में रखा गया था। 'धर्मपुत्र' को राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कारों में रजत पदक से नवाज़ा गया और सर्वश्रेष्ठ संवादों के लिए अख्तर-उल-इमान को फ़िल्मफ़ेयर पुरस्कार प्राप्त हुआ।

राष्ट्रीय पुरस्कारों में 'धर्मपुत्र' (1961) को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फ़िल्म, 'चाँदनी' (1989), 'डर' (1994), 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' (1995), 'दिल तो पागल है' (1997) और 'वीर जारा' (2004) को सबसे अधिक चर्चित और मनोरंजन प्रदान करने वाली फ़िल्म घोषित किया गया। 'वक़्त' (1965) को चार, 'इतिफाक़' (1969) को एक, 'दाग' (1973) को दो, 'दीवार' (1975) को सात, 'लम्हे' (1991) को पाँच, 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' (1995) को दस, 'दिल तो पागल है' (1997) को सात, 'वीर जारा' (2004) को चार और 'जब तक है जान' (2012) को तीन फ़िल्मफ़ेयर पुरस्कार प्राप्त हुए जिसमें 'वक़्त', 'इत्तफ़ाक़', 'दाग' और 'दीवार' के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का सम्मान प्रदान किया गया।

वैसे पुरस्कारों का मिलना न मिलना यश चोपड़ा के लिए इतनी बड़ी बात नहीं थी जितनी यह कि उनकी फिल्मों में अनर्गल कुछ न हो। वह चाहते थे कि उनकी फिल्में केवल किसी वर्ग विशेष के लिए नहीं हो, बल्कि ऐसी हो जिसे पूरे परिवार के साथ बैठकर देखा जा सके। गीत-संगीत की दुनिया की उन्हें बहुत अच्छी समझ थी। यश चोपड़ा की अधिकांश फिल्मों में लोक संगीत की झलक साफ दिखाई पड़ती है। इसका सारा श्रेय वह अपनी पत्नी पामेला चोपड़ा को देते रहे क्योंकि वह स्वयं गायन में रुचि रखती थी और उनकी घरेलू फिल्मों के बहुत से गीतों में उनकी आवाज़ को पसंद किया गया, फिर चाहे वो 'दाग' हो या 'सिलसिला', 'कभी कभी' हो या 'त्रिशूल', 'चाँदनी' हो या फिर 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे।'

यश चोपड़ा की निर्देशित फिल्मों में 'वक़्त' (1965) वो फ़िल्म है जिसके संवादों को अख्तर-उल-इमान ने लिखा था। राज कुमार की आवाज़ से निकले संवाद आज भी सिनेप्रेमियों की जुबान पर हैं। रवि के संगीत निर्देशन में तैयार किया गया गीत 'ए मेरी ज़ोहरा जबीं.......' आज भी ब्याह-शादियों की शान है तो 'वक़्त से दिन और रात.......' गीत में दर्शन की झलक मिलती है।

1969 राजेश खन्ना का वर्ष था और 'इत्तफ़ाक़' से ही उन्हें 'इत्तफ़ाक़' मिली और यह सिर्फ़ 105 मिनट की फ़िल्म थी। यह पहली फ़िल्म थी जिसमें कोई मध्यांतर नहीं था। 1960 की फ़िल्म 'क़ानून', जिसके निर्माता और निर्देशक यश चोपड़ा के बड़े भाई बलदेव राज चोपड़ा थे, की तरह 'इत्तफ़ाक़' में भी कोई गीत नहीं था।

1969 में ही यश चोपड़ा द्वारा निर्देशित एक और फ़िल्म 'आदमी और इनसान' परदे पर आई और छा गई। धर्मेंद्र, फ़िरोज ख़ान, सायरा बानू के साथ ही इस फ़िल्म में मुमताज़ ने भी शानदार अभिनय किया था। रवि के संगीत निर्देशन में साहिर लुधियानवी के लिखे गीतों को बेहद पसंद किया गया और 'ज़िंदगी 'इत्तफ़ाक़' है.......' गीत आज भी लोकप्रिय है जिसे आशा भोसले और महेंद्र कपूर ने अपनी शानदार आवाज़ों से सजाया है।

यश चोपड़ा द्वारा निर्मित और निर्देशित पहली फ़िल्म 'दाग' (1973) के साथ 'एक प्यार की कविता' टैग लाइन भी जुड़ी हुई है। गुलशन नंदा की कहानी पर आधारित 'दाग' के संवाद अख्तर-उल-इमान ने लिखे हैं। राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर और राखी के अभिनय वाली इस फ़िल्म के गीतों को साहिर लुधियानवी ने ही लिखा और इसका संगीत लक्ष्मीकांत प्यारेलाल ने तैयार किया था। 'मेरे दिल में.......' जैसा गीत आज भी बेहद सुना जाता है। इस फ़िल्म के लिए राखी को सर्वोत्तम सहायक अभिनेत्री के सम्मान से फ़िल्मफ़ेयर अकादमी ने नवाज़ा। फ़िल्म में एक कविता 'मैं तो कुछ भी नहीं...' भी है जिसे राजेश खन्ना की आवाज़ में रिकॉर्ड किया गया था।

इसी वर्ष देव आनंद और हेमा मालिनी द्वारा अभिनीत 'जोशीला' भी प्रदर्शित हुई। वैसे इस फिल्म को कोई पुरस्कार नहीं मिला लेकिन इसके गीतों में राहुल देव बर्मन के संगीत का जादू सिर चढ़ कर बोला। 'जोशीला' के दार्जिलिंग शहर के कुछ मनोरम दृश्य निर्देशक यश चोपड़ा का प्रकृति प्रेम भी दर्शाते हैं।

अमिताभ बच्चन को लेकर यश चोपड़ा का आकलन गलत नहीं निकला जब 'दीवार' (1975) अब तक की सर्वोत्तम पच्चीस फिल्मों में शामिल हो गई। हालांकि इस फ़िल्म में कोई प्रेम कहानी नहीं थी लेकिन एक मां का दर्द सब दर्शकों को भावुक कर गया। इस थीम पर बहुत सी फिल्में बनी हैं जिनमें एक भाई शरीफ और दूसरा बदमाश बना है, लेकिन अमिताभ बच्चन की आँखों में बसा हुआ जो गुस्सा था, वह दर्शकों को भा गया था। शशि कपूर ने भी कोई कसर नहीं रखी और 'मेरे पास मां है...' जैसा संवाद बोलकर दर्शकों को हिला कर रख दिया। सलीम-जावेद की जोड़ी द्वारा लिखित कहानी, पटकथा और संवाद दर्शकों के दिलों पर छाप छोड़ गए।

'कभी कभी' (1976) एक मल्टी स्टारर फ़िल्म थी लेकिन कोई भी कलाकार किसी दूसरे कलाकार से प्रतिस्पर्धा नहीं कर रहा था। साहिर लुधियानवी के गीतों को संगीत से सजाने वाले खय्याम की धुनों ने देश-विदेश के संगीतप्रेमियों के दिलों में जगह बना ली। इसकी कहानी पामेला चोपड़ा ने लिखी तो पटकथा और संवाद सागर सरहदी जैसे महान लेखक ने लिखे जिनका वास्तविक नाम गंगा सिंह तलवार था। शीर्षक गीत के लिए मुकेश को पार्श्वगायक, गीतकार साहिर लुधियानवी को, फ़िल्म के लाजवाब संगीत के लिए खय्याम को और सर्वश्रेष्ठ संवादों के लिए सागर सरहदी को फ़िल्मफ़ेयर पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

यश चोपड़ा के लिए सलीम जावेद ने जब 'त्रिशूल' (1978) लिखी तो तो उनके ज़हन में संगीतकार खय्याम और गीतकार साहिर लुधियानवी का नाम फिर से उभर कर आया। वो इस फ़िल्म के लिए 'कभी कभी' की पूरी टीम चाहते थे, लेकिन सलीम-जावेद के साथ ऋषि कपूर के संबंध अच्छे नहीं रह गए थे, इसलिए सचिन को परदे पर उतारा गया। सचिन के सामने पूनम ढिल्लो को लिया गया। वहीदा रहमान को विशेष भूमिका प्रदान की गई जो पूरी फ़िल्म का आधार रही। 'त्रिशूल' मे संजीव कुमार का नाम राज कुमार गुप्ता था लेकिन विजय के रूप में अमिताभ बच्चन जब भी परदे पर 'आर के गुप्ता' बोलते थे तो दर्शकों में एक हलचल मच जाती थी क्योंकि यह एक लोकप्रिय नाम है। इसके निर्माता गुलशन राय थे।

निर्माता और निर्देशक यश चोपड़ा के लिए 'काला पत्थर' (1979) की पटकथा भी सलीम जावेद ने लिखी थी। यहाँ पर फिर अमिताभ बच्चन और शशि कपूर हैं और उनके सामने हैं शत्रुघ्न सिन्हा। राखी, परवीन बाबी और नीतू सिंह नायिकाएं थी। इस फ़िल्म के लिए संगीतकार के रूप में राजेश रोशन को लिया गया। साहिर लुधियानवी गीतकार थे। 'एक रास्ता है ज़िंदगी.......' किशोर कुमार का गाया गीत आज भी बेहद लोकप्रिय है।

'सिलसिला' (1981) एक बड़े बजट की फ़िल्म थी लेकिन दर्शकों ने इसे इसलिए नकार दिया था क्योंकि यह अमिताभ बच्चन और जया के निजी जीवन में सीधा दखल था। वैसे यह फ़िल्म परवीन बाबी और स्मिता पाटिल के लिए थी लेकिन अमिताभ बच्चन के कहने पर इसमें रेखा और जया बच्चन को ही लिया गया। इस फ़िल्म की सबसे बड़ी विशेषता प्राकृतिक दृश्य थे जिन्हें कश्मीर के साथ ही एमस्टरडम, मुंबई और दिल्ली में फिल्माया गया था। संगीतकार के रूप में शिव-हरि ने अपनी धुनों से सुनने वालों को संगीत की गहराई का अहसास कराया था। शिव-हरि ने इसके बाद यश चोपड़ा की 'फासले' (1985), 'विजय' (1988), 'चाँदनी' (1989), 'लम्हे' (1991), 'परंपरा' और 'डर' (1993) के लिए भी शानदार संगीत तैयार किया।

यश चोपड़ा द्वारा निर्मित और निर्देशित 'मशाल' (1984), 'फासले' (1985) और 'विजय' (1988) सफल फिल्में थी लेकिन 1989 की 'चाँदनी' ने सफलता के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। श्रीदेवी, ऋषि कपूर और विनोद खन्ना के लाजवाब अभिनय से सजी 'चाँदनी' के लिए यश चोपड़ा ने संतूर वादक शिव कुमार शर्मा और बांसुरी वादक हरिप्रसाद चौरसिया को एक बार फिर संगीत का जिम्मा सौंपा। जूही चावला अतिथि भूमिका में थी। कामना चंद्रा की कहानी को सागर सरहदी, अरुण कौल और उमेश कलबाग ने पटकथा का रूप दिया। 'चाँदनी' को हिंदुस्तान के हर सिनेप्रेमी ने देखा और पसंद किया।

'लम्हे' (1991) वो फ़िल्म थी जिसकी कहानी और पटकथा हनी ईरानी थी और राही मासूम रज़ा ने कहानी को संवारते हुए इसके संवाद लिखे थे। यश चोपड़ा द्वारा निर्देशित इस फ़िल्म में श्रीदेवी दोहरी भूमिका में थी और अनिल कपूर के साथ वहीदा रहमान भी थी। तीन घंटे से भी अधिक लंबी यह फ़िल्म दर्शकों को बांधे रखने में सफल रही। इस फ़िल्म की शूटिंग राजस्थान में और लंदन में की गई। 2013 में पिछले सौ वर्षों की रोमांटिक फिल्मों में 'लम्हे' का नाम शामिल रहा। आनंद बख़्शी के दमदार शब्दों को शिव-हरि ने धुनों में ढाला। लता मंगेशकर, इला अरुण और मोइनूद्दीन की आवाज़ में 'चूड़ियाँ खनक गईं.......' गीत अपना अलग ही प्रभाव छोड़ता है।

'डर' (1993) प्रमुख रूप से जूही चावला और शाहरुख खान की फ़िल्म थी। नकारात्मक भूमिका में शाहरुख खान का अभिनय लाजवाब था। जूही चावला अपनी चुलबुली अदाओं और गंभीर भूमिका में दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रही। शाहरुख खान के हाथ में गिटार और जूही चावला के जुनून भरे नृत्य ने इन दोनों कलाकारों को भविष्य का लोकप्रिय कलाकार घोषित कर दिया। 'क क क किरण...' में शाहरुख खान की लरजती आवाज़ यश चोपड़ा के निर्देशन की विशेषता मानी गई थी।

1997 की 'दिल तो पागल है' नए ज़माने की लाजवाब फ़िल्म रही जिसके लिए यश चोपड़ा और उनके परिवार के साथ ही तनुजा चंद्रा ने भी पटकथा को पूरा किया। इस फ़िल्म में निशा के पात्र के लिए यश चोपड़ा को भटकना पड़ गया था। पहले इस भूमिका के लिए माधुरी दीक्षित को चुना गया लेकिन उनकी तरफ से ना हो गई। फिर मनीषा कोइराला, जूही चावला, काजोल, रवीना टंडन, उर्मिला मातोंडकर सबने मना कर दिया। ऐसे में करिश्मा कपूर ने इसे चुनौती के रूप में स्वीकार किया। शाहरुख खान, माधुरी दीक्षित, करिश्मा कपूर और अक्षय कुमार द्वारा अभिनीत इस फ़िल्म के लिए उत्तम सिंह ने संगीत तैयार किया। रोमांस और संगीत से भरपूर इस फ़िल्म के गीतों को आनंद बख़्शी ने लिखा। 'दिल तो पागल है' के सात वर्षों के बाद यश चोपड़ा द्वारा निर्देशित 'वीर ज़ारा' वर्ष 2004 में परदे पर आई जबकि इसके लिए मदन मोहन के संगीत निर्देशन में धुनों को पहले ही तैयार कर लिया गया था। मदन मोहन का 1975 में, जब वह केवल 51 वर्ष के थे, निधन हो गया था। मदन मोहन के सुपुत्र संजीव कोहली ने 'वीर ज़ारा' के लिए उन धुनों का पुनर्निर्माण किया। फ़िल्म की कहानी और गीत-संगीत ने इस फ़िल्म को कामयाबी दिलाने में अपार सहयोग दिया। जावेद अख़्तर के लिखे गीत 'तेरे लिए.......', 'ऐसा देस है मेरा.......', 'मैं यहाँ हूँ.......' गीत बेहद हिट रहे। 'वीर ज़ारा' में शाहरुख खान और प्रीति जिंटा की मुख्य भूमिकाएं थी। विभाजन को लेकर एक प्रेम कहानी पर आधारित इस फ़िल्म के साथ सबसे शानदार बात यह रही कि फ़िल्म के लिए पाकिस्तान की ओर से पूरा सहयोग प्रदान किया गया।

वर्ष 2012 में प्रदर्शित 'जब तक है जान' यश चोपड़ा द्वारा निर्देशित आखिरी फ़िल्म थी। इस फ़िल्म में शाहरुख खान और कटरीना कैफ के साथ अनुष्का शर्मा ने भी अभिनय किया था। इस फ़िल्म की शूटिंग कश्मीर के श्रीनगर, पहलगांव और गुलमर्ग भी हुई थी। इसके गीतों को गुलज़ार ने लिखा था। 21 अक्तूबर 2012 को अस्सी वर्षीय यश चोपड़ा का निधन हो गया।

मुकेश पोपली

मियामी में चारुल से मिली सोमी अली

अभिनेत्री सोमी अमेरिका में एनजीओ नो मोर टियर्स चलाती हैं, ने हाल ही में अभिनेत्री चारुल मलिक से मुलाकात की, जो टीवी शो भाबीजी घर पर हैं में नज़र आती हैं। यह अब तक का सबसे बेहतरीन सरप्राइज था! वह अपनी बहन की शादी के लिए अमेरिका में थीं, और मुझे यकीन नहीं हो रहा था कि वह मेरे दरवाजे पर दस्तक दे रही हैं। सौभाग्य से, मैं काम से घर पर थी। मैं चारुल की बहुत आभारी हूँ - जब वह इंडिया टीवी की रिपोर्टर थीं, तो उन्होंने न केवल तलाश नामक शो के लिए मुझे कवर किया, बल्कि उन्होंने मुझे सबसे बेहतरीन पीआर टीम से भी मिलवाया, जिसकी मैं कभी कल्पना भी नहीं कर सकती थी। मैं हमेशा उनकी आभारी रहूँगी कि उन्होंने मुझे मेरे जनसंपर्क सलाहकार प्रशांत गोलेचा और उनकी पूरी टीम से मिलवाया, जिन्होंने मेरे एनजीओ के माध्यम से मेरे काम को उजागर करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, वह कहती हैं।

कृष्णा श्रॉफ 'फाइनलिस्ट बनने वाली एकमात्र फीमेल कॉंटेस्टेन्ट

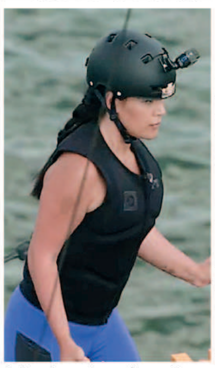

कृष्णा श्रॉफ 'खतरों के खिलाड़ी 14' में फाइनलिस्ट बनीं, इलेक्ट्रिक शॉक के डर पर काबू पाकर रिकॉर्ड समय में वॉटर स्टंट किया पूरा ,कृष्णा श्रॉफ ने स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 14' में आधिकारिक तौर पर फाइनलिस्ट के रूप में अपनी जगह पक्की कर ली है। अब तक के अपने सफर में, कृष्णा ने शो में अपने दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास से सभी को प्रभावित किया है, जो उनका टेलीविज़न रियलिटी शो डेब्यू है। कृष्णा ने टॉप 5 में जगह बनाई है, जो महिला शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है क्योंकि वह इस सीजन में फाइनलिस्ट बनने वाली एकमात्र लड़की है।

भुवन और रोहित ने नेपाली रैप सॉन्ग पैसा के अधिकार हासिल किए

ताज़ा खबर सीज़न 2 की प्रत्याशा और अधिक तीव्र हो गई है क्योंकि भुवन बाम ने आधिकारिक तौर पर लोकप्रिय नेपाली रैप गीत पैसा के अधिकार हासिल कर लिए हैं। कुशाल पोखरेल द्वारा प्रस्तुत ट्रैक ने पहले ही सोशल मीडिया पर महत्वपूर्ण ध्यान आकर्षित किया है, और आगामी सीज़न में इसका समावेश सिरीज़ के प्रभाव को और भी अधिक बढ़ाने का वादा करता है। शो में पैसा गीत को शामिल करने का निर्णय भुवन और उनकी प्रोडक्शन टीम द्वारा एक रणनीतिक कदम के रूप में लिया गया है। गाने के गंभीर और शक्तिशाली बोल ताज़ा खबर 2 की थीम से पूरी तरह मेल खाते हैं, जो हास्य और ड्रामा के मिश्रण के साथ शहरी जीवन के अंधेरे पक्ष का पता लगाना जारी रखता है।

नेहा IIFA 2024 ग्रीन कार्पेट करेंगी होस्ट!

बहुप्रतीक्षित IIFA 2024 बस आने ही वाला है और इसने लोगों के बीच काफी उत्सुकता पैदा कर दी है। इस उत्साह को और बढ़ाने वाली हैं 'जून' एक्ट्रेस नेहा दिनेश आनंद, अवॉर्ड शो के ग्रीन कार्पेट की होस्टिंग करती नज़र आएंगी। वह बॉलीवुड के साथ-साथ इंटरनेशनल पर्सनालिटी से भी बातचीत करेंगी। नेहा दिनेश आनंद ने हाल ही में रिलीज़ हुई फिल्म 'जून' में अपने दमदार अभिनय से फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई, जो उनका एक्टिंग डेब्यू था। विभिन्न फिल्म फेस्टिवल्स में पसंदीदा बनी यह फिल्म ओटीटी पर आने के बाद से ही दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों से पॉजिटिव रिव्यू पा रही है

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का उदयपुर शेड्यूल रैप-अप!

एक्टर रोहित सराफ ने अपनी आगामी फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का उदयपुर शेड्यूल पूरा कर लिया है, जिसमें वह वरुण धवन, जान्हवी कपूर और सान्या मल्होत्रा के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते नजर आएंगे। रोहित के को-स्टार मनीष पॉल ने सोशल मीडिया पर साझा किया कि टीम ने उदयपुर में फिल्म का शेड्यूल पूरा कर लिया है। तस्वीर में मनीष फिल्म की पूरी कास्ट के साथ नजर आ रहे हैं।जब से तस्वीर सोशल मीडिया पर आई, फैंस ने कमेंट सेक्शन में दिल खोल कर कमेंट कर दिया। एक यूजर ने लिखा, कैंट वैट फ़ॉर द फ़िल्म, जबकि दूसरे कमेंट में लिखा था, फेवरेट पीपल इन वन फ्रेम।

अच्छी बेटी और मां भी हैं संगीता

शो साझा सिंदूर में सरोज के किरदार में दर्शकों जीतने वाली अभिनेत्री संगीता घोष न सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेत्री हैं, बल्कि एक अच्छी बेटी और मां भी हैं। कुछ साल पहले ही उन्होंने एक बेटी को जन्म दिया, एक मां की जिम्मेदारी के साथ माता-पिता की जिम्मेदारी को भी उन्होंने बखूबी निभाया। ऐसे में संगीता से हुई एक ख़ास बातचीत में उन्होंने अपने माता-पिता के साथ अपने गहरे रिश्ते के बारे में बात की और उस भावना को साझा किया जो उन्होंने उनसे सीखी है।अपने माता-पिता के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए संगीता ने कहा, एक बेटी होने के नाते, अब मुझे लगता है कि मैं उनकी बेटी से ज्यादा उनकी अभिभावक बन गई हूं।

काम आ रही है मेरी लॉ की डिग्री

शो जागृति - एक नई सुबह, 7 साल की जागृति का साहस भरा सफर दिखाता है। जागृति चित्ता समुदाय में पैदा हुई है, जो अपने लोगों पर थोपे गए अन्याय और अत्याचार को मानने से इनकार कर देती है। जहां अस्मि इस शो में जागृति का पॉपुलर टाइटल रोल निभा रही हैं वहीं पॉपुलर एक्टर तितिक्षा श्रीवास्तव उनकी मां गीता का रोल निभा रही हैं जिनके साथ एक्टर आर्य बब्बर खतरनाक और क्रूर जमींदार कालीकांत ठाकुर के रोल में हैं। तितिक्षाकी कानून की डिग्री उन्हें पर्दे पर मजिस्ट्रेट का रोल निभाने में बहुत काम आ रही है। तितिक्षा श्रीवास्तव ने कहा, ''गीता का रोल निभाना मेरे लिए एक बड़ा मौका है। सबसे खास बात यह है कि मैंने कानून की पढ़ाई की है इसलिए मेरी लॉ की डिग्री मेरे मजिस्ट्रेट के किरदार के साथ न्याय करने में मदद कर रही हैं।

सकारात्मक खबरों को बढ़ावा देने से ही समाज स्वस्थ और सुखी होगा: केंद्रीय मंत्री डॉ. मुरुगन

राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन का शुभारंभ, केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन, मुख्य प्रसाशिका दादी रतन मोहिनी, आईआईएमसी के पूर्व निदेशक प्रो. संजय द्विवेदी, पूर्व कुलपति डॉ. मान सिंह परमार और ब्रह्माकुमारीज के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने किया शुभारंभ, भारत सहित नेपाल से एक हजार से अधिक पत्रकार, संपादक, ब्यूरो चीफ और मीडिया प्रोफेसर पहुंचे

आबू रोड से सुनील वर्मा।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के आबू रोड स्थित मुख्यालय शांतिवन के आनंद सरोवर परिसर में आयोजित राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन का उद्घाटन केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन और मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी ने किया। मीडिया विंग द्वारा स्वस्थ एवं सुखी समाज के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण-मीडिया की भूमिका विषय पर आयोजित इस राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए देशभर से एक हजार से अधिक प्रिंट, इलेक्ट्रानिक, रेडियो और बेव जर्नलिज्म से जुड़े पत्रकार, संपादक, ब्यूरो चीफ, रेडियो जॉकी, फ्रीलांसर पत्रकार और मीडिया प्रोफेसर पहुंचे हैं।

शुभारंभ पर केंद्रीय मंत्री डॉ. मुरुगन ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में मीडिया का महत्वपूर्ण योगदान है। आज एक अच्छी न्यूज उतनी तेजी से वायरल नहीं होती है जितनी की एक गलत, फेंक न्यूज़ वायरल हो जाती है। पत्रकार पहले खबरों की सत्यता की जांच कर लें उसके बाद ही प्रकाशित करें। अच्छी खबरों को बढ़ावा देने से ही स्वस्थ और सुखी समाज का निर्माण होगा। आज समाज में यदि नकारात्मक माहौल बन रहा है तो हमें चिंतन करने की जरूरत है कि हम समाज में क्या भेज रहे हैं। मूल्यनिष्ठ समाज के निर्माण के लिए हमें जीवन में मूल्यों का समावेश करना होगा।

पत्रकार निजी जीवन में अध्यात्म को अपनाएं

उन्होंने कहा कि एक पत्रकार का मौलिक अधिकार है कि वह आध्यात्मिकता से जुड़े। मीडियाकर्मी अपने निजी जीवन में अध्यात्म को अपनाएं। एक पत्रकार गलत न्यूज़ से देश का माहौल बिगाड़ सकता है इसलिए पत्रकार को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। सूचना देने के लिए मीडिया सबसे शक्तिशाली साधन है, जो दुनिया को खेल और संस्कृति आदि की जानकारी देता है। यह लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। मीडिया हिमालय से लेकर रेगिस्तान में जाकर सूचनाएं जुटाता है।

ब्रह्माकुमारीज़ विश्व शांति के लिए कार्य कर रही है

केंद्रीय मंत्री डॉ. मुरुगन ने कहा कि विश्व शांति के लिए ब्रह्माकुमारीज़ संस्था कार्य कर रही है। मैं पहली बार ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय आया हूं। यहां आकर बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं और बहुत खुशी हो रही है। मैंने दादी रतन मोहिनी से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। यहां की दिव्यता और पवित्र माहौल बहुत सुखदायी है।

मीडिया अपने उद्देश्य से भटक गया है

डॉ. कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवम जनसंचार विश्विद्यालय रायपुर के पूर्व कुलपति डॉ. मान सिंह परमार ने कहा कि जब देश आजाद नहीं हुआ था तो मीडिया के सामने एक लक्ष्य, एक ध्येय, एक उद्देश्य था। लेकिन जब देश आजाद हो गया तो मीडिया के सामने एक चुनौती थी कि अब किस दिशा में आगे बढ़ा जाए। लेकिन आज व्यापारवाद के दौर में मीडिया अपने उद्देश्य से भटक गया है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में खबरों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है जो किसी भी रीति से समाज के लिए ठीक नहीं है। सोशल मीडिया ने हमें आजादी जरूर दी है लेकिन ऐसा लगता है कि कहीं सोशल मीडिया भस्मासुर न बन जाए। प्रेस काउंसिल बने वर्षों हो गए लेकिन आज तक हम एक आदर्श आचार संहिता लागू नहीं कर पाए हैं।

नई दिल्ली दैनिक जागरण के एक्जीक्यूटिव एडिटर विष्णु प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि हम राष्ट्र और राष्ट्रीयता के स्तंभ हैं। हम सत्यनिष्ठ लोग हैं। लोकतंत्र में संरक्षण की जरूरत है लेकिन यदि मीडिया को नियंत्रीकरण किया जाएगा तो वह अपना अस्तित्व खो देगा। भारत का पत्रकार आध्यात्मिक ही होगा। दिल्ली के पीआईबी के पूर्व प्रिंसिपल डीजी कुलदीप सिंह ने कहा कि कई बार हम पत्रकारों को अपने सिद्धांतों के साथ समझौता करना पड़ता है। लेकिन हमें अपने मूल्यों को कायम रखना होगा।

अश्लील सामग्री मुक्त मीडिया बनाना होगा

आईआईएमसी के पूर्व महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि हम सभी पत्रकारों को अभियान चलाना चाहिए कि अश्लील सामग्री मुक्त समाज बने। हमें अश्लील कंटेंट को प्रचारित और प्रसारित करना बंद करना होगा। एक-एक व्यक्ति सूचना का राजदूत है।

ब्रह्माकुमारीज़ समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए कार्य कर रही है। ये ब्रह्माकुमार भाई-बहनें त्याग की मूर्ति हैं। दुनिया के बेहतर अखबारों को टक्कर देने वाले अखबार आज हमारे देश में निकल रहे हैं। आज मीडिया का भारतीयकरण करने की जरूरत है। आज हम जिस मीडिया की तर्ज पर कार्य कर रहें हैं, वह पाश्चात्य मीडिया की शैली है। हमारे यहां तो लोक मंगल की भावना को लेकर कार्य करने की परंपरा रही है। हमें संवाद की परंपरा की ओर फिर से बढ़ने की जरूरत है। हम जगतगुरु की बात कर रहे हैं लेकिन कोई शिष्य बनने के लिए तैयार है।

इन्होंने भी व्यक्त किए अपने विचार

अतिरिक्त महासचिव राजयोगी बृजमोहन भाई ने कहा कि तीनों कालों की न्यूज़ परमात्मा के पास है। सबसे बड़ा सत्य है कि हम सभी एक आत्मा हैं। जब हम खुद को आत्मा मानेंगे, तभी काम विकार पर विजय पा सकेंगे।

मीडिया निदेशक राजयोगी बीके करुणा भाई ने कहा कि मीडिया विंग पत्रकारों के जीवन को खुशहाल बनाने के लिए कार्य कर रहा है। हमारा मकसद है पत्रकारों के जीवन में आध्यात्मिक समावेश से समाज को सुखी संपन्न बनाने की ओर ले जाना।

जयपुर सबजोन की निदेशिका राजयोगिनी बीके सुषमा दीदी ने कहा कि राजयोग को जीवन में शामिल करने से सारे रोग खत्म हो जाते हैं। आपने राजयोग मेडिटेशन से सभी को गहन शांति की अनुभूति कराई।

शिक्षा प्रभाग की उपाध्यक्ष राजयोगिनी बीके शीलू दीदी ने कहा कि आंतरिक सशक्तिकरण से ही स्वस्थ और सुखी होगा। समाज समृद्ध शाली होगा।

विंग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके सरला आनंद बहन ने कहा कि बिना अध्यात्म के स्वस्थ समाज की परिकल्पना नही की जा सकती है। इस कार्य में मीडिया का सबसे महत्वपूर्ण योगदान है।

स्वागत भाषण मीडिया विंग के राष्ट्रीय संयोजक बीके शांतानु भाई ने दिया। स्वागत नृत्य बेंगलुरु से आए सुप्रीम शिव शक्ति सांस्कृतिक अकादमी के बच्चों ने पेश किया। संचालन जयपुर की जोनल संयोजिका चंद्रकला दीदी ने किया।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com